दैनिक **सांध्य प्रकाश**

भोपाल की धड़कन

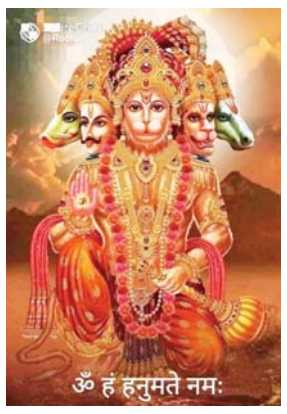

वर्ष 53/ अंक 117/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 02 दिसंबर 2023 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

दिग्गजों ने सम्हाला मोर्चा, बाड़ेबंदी और जीत के दावों का दौर

बेचैनी के बीच कल का इंतजार...

सांध्य प्रकाश संवाददाता

भोपाल। पांच राज्यों में किसकी सरकार बनेगी, इस बेचैनी के बीच प्रमुख राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों में जुट गए हैं। कल दोपहर तक चार राज्यों की स्थिति साफ हो जाएगी, मिजोरम की मतगणना चार दिसंबर को होगी। मध्यप्रदेश में कांग्रेस के प्रभारी महासचिव रणदीप सुरजेवाला और प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने मोर्चा सम्हाल लिया है, तो भाजपा के दिग्गज नेता भी भोपाल पहुंच रहे हैं। कल भाजपा के कंट्रोल रूम में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे।

असल में पांच राज्यों के एग्जिट पोल के उलझे आंकड़ों से सभी राजनीतिक दलों की बेचैनी बढ़ गई है। नजदीकी मुकाबले की आशंका के बीच दलों ने बाड़ाबंदी शुरू कर दी है। कांग्रेस पहले की घटनाओं से सीख लेते हुए ज्यादा सतर्क है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस में कमलनाथ-दिग्विजय-रणदीप सुरजेवाला मोर्चा संभाल रहे हैं। पूर्व सीएम कमलनाथ और सुरजेवाला ने कहा है कि सभी कार्यकर्ता मैदान में आ जाएं। भाजपा हार चुकी है।

पूर्ण बहुमत से सरकार बना रहे: शिवराज

सीएम शिवराज सिंह चौहान ने विधानसभा चुनाव मतगणना से एक दिन पहले शनिवार को कहा, समाज के हर वर्ग से भाजपा को अभूतपूर्व समर्थन मिला है। भाजपा को मप्र में भारी बहुमत मिलने जा रहा है। अब तक के सारे अनुमान फेल हो जाएंगे। कल सब सूरज के प्रकाश की तरह साफ हो जाएगा।

कल इसी टाइम लंबी चर्चा करेंगे: कमलनाथ

कमलनाथ ने आज फिर बयान जारी कर दावा किया है कि कमलनाथ ने कहा है कि वे कल इसी टाइम लंबी चर्चा करेंगे, आज कुछ बोलने की आवश्यकता नहीं है। मुझे किसी पोल से मतलब नहीं है, मतदाताओं पर भरोसा है। मुझे मध्य प्रदेश के मतदाता पर भरोसा है। निर्दलीय प्रत्याशियों से बात करने को लेकर उन्होंने कहा कि इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। भाजपा के पास इतनी सीट हैं तो क्यों नाटक कर रही है, इससे बात करो उससे बात करो?

24 घंटे इंतजार करिए, मध्य प्रदेश में बीजेपी की ही सरकार बनेगी: सिंधिया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि केवल 24 घंटे इंतजार करिए, सब कुछ साफ हो जाएगा. मध्य प्रदेश में बीजेपी की ही सरकार बनेगी। हमें पूरा विश्वास है कि कल की काऊटिंग में बीजेपी को भगवान का आर्शीवाद मिलेगा और एमपी में बीजेपी की सरकार बनेगी। जेपी नड्डा की तारीफ करते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा के चुनाव के लिए उन्होंने ऊर्जावान तरीके से प्रयास किया।

जनता हमें फिर सरकार में ला रही है: विजयवर्गीय

भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर में कहा, हमने विकास किया है, इसलिए जनता हमें प्यार कर रही है और हमें फिर से सरकार में ला रही है। जब भी कांग्रेस हारती है तो आरोप ईवीएम पर लगाती है। जिसने जमीनी स्तर पर सर्वे किया वो कहेगा कि भाजपा की सरकार बन रही है। सिर्फ मप्र में ही नहीं, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी हमारी सरकार बन रही है।

दुबई में इजराइल के राष्ट्रपति से मिले पीएम मोदी, टू-स्टेट फॉर्मूले को आगे बढ़ाने पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुबई में इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हरजोग से मुलाकात की। यहां पर पीएम मोदी ने टू-स्टेट फॉर्मूले को आगे बढ़ाने पर बात की है। हमास के साथ युद्ध के बाद से ये पहली बार हुआ है कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हरजोग से मुलाकात की है।

पीएम क्लाइमेट चेंज पर आयोजित कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने दुबई पहुंचे थे। उन्होंने मुलाकात में टू-स्टेट फॉर्मूले पर काफी जोर दिया और उन्होंने इस युद्ध को विराम का जिक्र तो नहीं किया लेकिन गाजा को लगातार मानवीय मदद भेजने की अपील की है। भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से एक बयान में बताया गया है कि पीएम मोदी ने इजराइली राष्ट्रपति से मुलाकात में 7 अक्टूबर के हमले के बाद हुई हताहतों पर दुख जताया है। इसके साथ ही हमास ने जो बंधक बनाए गए थे उन बंधकों की रिहाई जैसे कदम का स्वागत भी किया। हालांकि, बंधकों की रिहाई पर विराम लग गया है। इस युद्धविराम की समाप्ती के बाद से इजराइल फिर से गाजा पर बमबारी कर रहा है, जिसमें सैकड़ों मासूमों की जानें जा चुकी हैं। बताया जा रहा है कुल 15000 से ज्यादा फिलिस्तीनी में इस युद्ध में मारे गए हैं, जिसमें हजारों की संख्या में बच्चे और महिलाएं शामिल हैं।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा से ग्वालियर में केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने भेंट कर उनका स्वागत किया व उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

अयोध्या में 320 करोड़ की लागत से श्रीराम एयरपोर्ट तैयार

लखनऊ। अयोध्या का मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट लगभग बनकर तैयार है। इसका टर्मिनल का डिजाइन राम मंदिर जैसा है। 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले इसे शुरू कर दिया जाएगा। इससे पहले सीएम

योगी आज एयरपोर्ट पहुंचे। उनके साथ केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और केंद्रीय राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह भी रहे। सभी ने एयरपोर्ट के निर्माण काम का जायजा लिया। टर्मिनल बिल्डिंग में एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।ष्टरूऔर मंत्रियों के निरीक्षण के बाद एयरपोर्ट के उद्घाटन और उड़ान की डेट जल्द तय होगी। इसके साथ ही किराया भी तय किया जाएगा। इधर, एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि सबसे पहले भारतीय एयरलाइन कंपनी इंडिगो दिल्ली और अहमदाबाद के लिए फ्लाइट शुरू करेगी। दिल्ली के लिए रोज और अहमदाबाद के लिए हफ्ते में तीन दिन फ्लाइट मिलेगी।

रिजल्ट से पहले गहलोत और पायलट सक्रिय, निर्दलीयों से मिली वसुंधरा

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव के परिणाम 3 दिसंबर को आएंगे, उससे पहले ही बड़े नेताओं और निर्दलीय प्रत्याशियों के बीच सियासी सुगबुगाहट शुरू हो गई है। एग्जिट पोल के नतीजों में यह संकेत मिल रहे हैं कि राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी दल भाजपा के बीच करारी टक्कर है। ऐसे में मामूली अंतर होने पर निर्दलीय प्रत्याशी किंगमेकर की भूमिका में हो सकते हैं। ऐसे में दोनों ही दलों के नेताओं ने चुनाव परिणाम आने से पहले निर्दलीय प्रत्याशियों को साधना शुरू कर दिया है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जहां संभावित रूप से जीतने वाले निर्दलीय प्रत्याशियों से चर्चा कर रहे हैं, वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री और अशोक गहलोत के कड़े प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट इन दिनों दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। इसके अलावा भाजपा की ओर से राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे निरंतर विधायकों के संपर्क में हैं। वसुंधरा राजे ने शुक्रवार को राज्यपाल कलराज मिश्र से भी मुलाकात की। इससे पहले अशोक गहलोत ने गुरुवार राज्यपाल से मुलाकात की थी। एग्जिट पोल के नतीजों पर गौर किया जाए तो इसमें भाजपा को बढ़त के साथ दिखाया जा रहा है। हालांकि दोनों ही पार्टियों में कांटे की टक्कर है। राजस्थान में हर 5 साल में सरकार बदलने का रिवाज है। कांटे की टक्कर होने पर जीत का अंतर 5 से 10 सीटों के बीच रह सकता है। यही कारण है कि जीतने वाले संभावित निर्दलीय प्रत्याशियों व छोटी राजनीतिक पार्टियों से दिग्गज नेता सीधा संपर्क साध रहे हैं।

110 प्रत्याशियों से मिली वसुंधरा राजे

कांग्रेस की ओर से जहां मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा बीते 3 दिनों में 13 निर्दलीय प्रत्याशियों से संपर्क कर चुके हैं, वहीं दूसरी ओर भाजपा की ओर से वसुंधरा राजे 110 पार्टी प्रत्याशियों व निर्दलीय प्रत्याशियों से मुलाकात कर चुकी है। राजस्थान में प्रदेश चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी व प्रतिपक्ष के नेता राजेंद्र राठौड़ भी काफी सक्रिय है।

अभी से रिसॉर्ट और विमान बुक

सियासी गलियारों में यह भी खबर है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बेंगलुरू और उदयपुर में 2-2 रिसोर्ट बुक कर लिए हैं। किसी सियासी संकट की स्थिति में कांग्रेस और निर्दलीय विधायकों को इन रिसोर्ट पर ले जाया जा सकता है। इधर भाजपा के रणनीतिकार जीतने वाले विधायकों को गुजरात ले जा सकते हैं। कांग्रेस और भाजपा ने 2-2 विमान भी बुक करा लिए हैं।

5 दिसंबर को आंध्र प्रदेश से टकराएगा मिचौंग तूफान

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बन रहा कम दबाव का क्षेत्र शनिवार को डीप डिप्रेशन में बदल गया। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, अगले 24 घंटे में यह चक्रवात का रूप ले लेगा। इस तूफान का नाम मिचौंग रखा गया है।

आईएमडी ने बताया, 3 दिसंबर से तूफान उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा। 5 दिसंबर की सुबह तूफान आंध्र प्रदेश के नेल्लोर और मछलीपट्टनम तट को पार करेगा। उस समय तूफान की स्पीड 80-90 किमी प्रति घंटे होगी। यह 100 किमी प्रति घंटे तक भी पहुंच सकती है। चक्रवात के असर से नागपट्टनम जिले के वेलानकन्नी बीच पर समुद्र 100 मीटर पीछे चला गया है, जहां किनारे की चौड़ाई बढ़ गई है। वहीं तमिलनाडु के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। विशाखापत्तनम साइक्लोन वार्निंग सेंटर की एमडी सुनंदा ने बातचीत में कहा, 3 दिसंबर से तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश तट पर हवाएं और बारिश बढ़ जाएगी। दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश में मध्यम वर्षा और कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

बघेल का पीएम मोदी को पत्र

सीएम ने सट्टेबाजी एप पर बैन लगाने की मांग की, कहा- केंद्रीय स्तर पर हो कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ऑनलाइन बेटिंग के अवैध कारोबार से जुड़े प्लेटफार्म और वेबसाइट को प्रतिबंध लगाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में लिखा कि बीते कई सालों से ऑनलाइन बेटिंग, गेमिंग के माध्यम से जुआ और सट्टा के कारोबार का देश व्यापी विस्तार हुआ है। इसके संचालक विदेश में अवैध कारोबार का संचालन करते आ रहे हैं। इस पर केंद्र स्तर कार्रवाई ही संभव है।

छत्तीसगढ़ सरकार और यहां की पुलिस प्रशासन शुरू से ही इस अवैध कारोबार पर कठोर कार्रवाई करते आ रही है। इस संबंध में कई अपराध भी दर्ज किए गए हैं और संलिप्त आरोपियों को पकड़कर उनके परिसंपत्तियों जब्त करने में भी सफलता मिली है। उन्होंने पत्र में लिखा कि इस संबंध में मार्च 2022 से अब तक 90 से अधिक आपराधिक प्रकरण छत्तीसगढ़ पुलिस ने दर्ज किए हैं, जिनमें 450 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं बैंक खातों में 16 करोड़ रुपए फ्रीज करवाए जा चुके हैं। कई सामान भी जब्त किया गया है। इसके साथ ही राज्य के पुलिस ने अन्य प्रदेश में जाकर भी कार्रवाई की है। सीएम भूपेश बघेल ने अपने पत्र में लिखा कि कारोबार में उपयोग किए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, टेलीग्राम, व्हाट्सएप, यूआरएल लिंक, इंस्टाग्राम और एपीके फाइल इन सभी का पहचान कर इन्हें प्रतिबंधित करवाया जाए। ऑनलाइन बेटिंग, जुआ और सट्टा कारोबार संचालित करने वाले लोगों की आपराधिक कार्य प्रणाली का विस्तार किया जाए क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो गया है। इस कारोबार को रोकने के लिए निवारण उपाय किए जाने की सख्त आवश्यकता है। इसके साथ ही आरोपियों के बैंक खातों में अवैध परिचालन का तत्काल रोक लगाना चाहिए, जो केंद्र स्तर पर किया जाना संभव है।

सूर्य की अहम जानकारी जुटाने के लिए आदित्य एल-1 के इस पेलोड ने शुरू किया काम

नई दिल्ली। सूर्य की अहम जानकारियों को जुटाने के लिए भारत की तरफ से भेजे गए आदित्य-एल1 ने अपना काम शुरू कर दिया है। अब उपग्रह में लगे पेलोड-

आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट ने काम करना शुरू कर दिया है। इसरो ने बताया कि यह पेलोड सामान्य रूप से काम कर रहा है।

आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट (एएसपीईएक्स) में दो अत्याधुनिक उपकरण सोलर विंड आयन स्पेक्ट्रोमीटर और सुप्राथर्मल एंड एनर्जेटिक पार्टिकल स्पेक्ट्रोमीटर शामिल हैं। इसरो के मुताबिक, उपकरण ने सौर पवन आयन, मुख्य रूप से प्रोटॉन और अल्फा कणों को सफलतापूर्वक मापा है। इसरो का कहना है कि इसके जरिए उसे सौर हवाओं के बारे में काफी जानकारी हासिल हुई है।

संसद भवन में सर्वदलीय बैठक, शीतकालीन सत्र में ये विधेयक हो सकते हैं पारित

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने जा रहा है, उससे पहले सरकार ने आज सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसद भवन की लाइब्रेरी बिल्डिंग में यह सर्वदलीय बैठक शुरू हो गई है। संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी द्वारा बुलाई गई इस बैठक में विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के नेता शामिल हुए हैं। इस बैठक का उद्देश्य शीतकालीन सत्र को सुचारू ढंग से चलाने के लिए रणनीति बनाना और विधायी एजेंडा तय करना है। बता दें कि संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत 4 दिसंबर से होगी और यह 22 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान 19 दिनों में 15 दिन बैठकी होगी।

इन विधेयकों पर संसद के शीतकालीन सत्र में हो सकती है चर्चा- आज की सर्वदलीय बैठक में भाजपा की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए हैं। बता दें कि संसद में 37 विधेयक लंबित हैं, इनमें 12 विधेयक इस शीतकालीन सत्र में पारित हो सकते हैं। इनमें आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस एक्ट को बदलने वाले विधेयक भी शामिल हैं। इनके अलावा मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित विधेयक पर भी इस शीतकालीन सत्र में चर्चा हो सकती है। बता दें कि इस विधेयक के पारित होने के बाद चुनाव आयुक्त का स्टेटस कैबिनेट सचिव स्तर का हो जाएगा, जबकि अभी चुनाव आयुक्त का स्टेटस सुप्रीम कोर्ट जज के बराबर माना जाता है। विभिन्न पार्टियों के नेता संसद भवन पहुंच गए हैं। कांग्रेस की तरफ से उसके वरिष्ठ नेता जयराम रमेश भी संसद पहुंचे।

एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट भी संसद में होगी पेश

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोपों पर संसद की एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पेश की जाएगी, इस पर भी सभी की निगाहें रहेंगी। एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष विनोद सोनकर इस रिपोर्ट को संसद के पटल पर रखेंगे। इस मामले में महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता छीनने की मांग की जा रही है।

न्यायाधीश ने नेशनल लोक अदालत के लिए प्रचार रथ को हरी झण्डी दिखाई

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष अमिताभ मिश्र के मार्गदर्शन में 9 दिसंबर को वर्ष 2023 की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन एवं लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार वाहनों को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमिताभ मिश्र ने जिला न्यायालय भोपाल से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। प्रचार वाहनों द्वारा नेशनल लोक अदालत की जिंगल्स एवं फ्लेक्स बैनर के माध्यम से नेशनल लोक अदालत का प्रचार-प्रसार भोपाल के विभिन्न शहरी व सुदूरवर्ती ग्रामों में किया जाएगा।

इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश सहित विशेष न्यायाधीश कमल जोशी, जिला न्यायाधीश/सचिव एस.पी.एस. बुंदेला, जिला न्यायाधीश सुरेश कुमार सूर्यवंशी, जिला न्यायाधीश कु. शैलजा गुप्ता, जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय सिंह तथा पुलिस एवं प्रशासन के उच्च अधिकारियों सहित विद्युत विभाग के महाप्रबंधक श्री जाहिद खान एवं सभी उप महाप्रबंधक उपस्थित रहे। विद्युत विभाग एवं नगर पालिक निगम नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण पर दे रहे नियमानुसार छूट का लाभ पक्षकारों के मध्य आपसी सद्भाव बढ़ता है, कटुता समाप्त होती है, समय, धन व श्रम की बचत होती है, कोई भी पक्षकार हारता नहीं है दोनों पक्षकारों की जीत होती है। लोक अदालत में प्रकरण का निराकरण होने से न्याय शुल्क वापस होता है। लोक अदालत का आदेश/निर्णय अंतिम होता है, लोक अदालत के आदेश के विरूद्ध अपील नहीं होती। लोक अदालत में निराकरण होने से पक्षकारों के मध्य विवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाता है।

मतगणना दिवस पर यातायात परिवर्तित रहेगा

भोपाल। विधानसभा चुनाव-2023 की मतगणना 3 दिसंबर 2023 को पुरानी जेल परिसर में होगी। जिसमें काफी संख्या में प्रभारी अधिकारीगण एवं वाहन रहेगें। इस दौरान प्रातः 6 बजे से यातायात व्यवस्था में आवश्यकतानुसार यातायात पुलिस द्वारा परिवर्तन किया गया है। 3 दिसंबर को प्रातः 6 बजे से मतगणना के दौरान पुरानी जेल परिसर के आसपास डायवर्सन व्यवस्था के तहत सी0आई0कालोनी, पुलिस कन्ट्रोल रूम तिराहा, होमगार्ड टर्निंग एवं कोर्ट चैराहे से पुरानी जेल की ओर आने वाले मार्ग पर समस्त प्रकार (दो-पहिया, चार पहिया, लोकपरिवहन,सभी अनुमति प्राप्त भारी वाहन) के वाहनों का आवागमन पूर्णतः बंद रहेगा।

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया मैंदा मिल के पास से सेन्ट्रल स्कूल-1, स्टेट आई0टी की तरफ वाले रास्ते से न्यायालय एवं जेल की तरफ आने वाले सामान्य वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। जो वाहन जहॉगीराबाद से एम.पी नगर की ओर आवागमन करना चाहते है। वह शब्बन चैराहा, जिंसी चैराहा, बोगदा पुल, प्रभात चैराहा, सुभाष फाटक ओवर ब्रिज, मैदा मिल, बोर्ड आफिस होकर आवागमन कर सकेगें। प्रत्याशियों एवं एजेन्ट के नाश्ता/भोजन के वाहन पुरानी जेल परिसर के मुख्य द्वार तक आ सकेगें। पार्किंग व्यवस्था के तहत आम जनता के वाहन पंजाब नेशनल बैंक की तरफ और कोर्ट तिराहा से वल्लभ भवन मार्ग के दोनों ओर पार्किंग कर सकेगें। मतगणना में लगे अधिकारी/कर्मचारियों के वाहन निर्धारित स्थान जैल परिसर में पार्क होगें।

पत्रकार/ मीडिया वाहन पार्किंग जैल परिसर में अपने निर्धारित स्थान पर पार्क होगें। पुलिस कन्ट्रोल रूम तिराहा से एजेन्टों के वाहन होमगार्ड टर्निंग तक जा सकेगें। इन वाहनों की पार्किंग लाल परेड ग्राउण्ड एवं एमएलए रेस्ट हाउस में होगीं। डीबी मॉल तरफ से आने वाले एजेटों के वाहन कोर्ट तिराहा तक आ सकेगें। इन वाहनों की पार्किंग वल्लभ भवन मार्ग के दोनों तरफ रिक्त स्थान पर हागी। मतगणना में आने वाले प्रत्याशियों के वाहन जेल परिसर में आ सकेगे। इन वाहनों की पार्किंग परिसर में निर्धारित स्थान पर हो सकेगी। जहांगीराबाद तरफ से आने वाले एजेंटों के वाहन पुलिस आईटीआई गेट तक आ सकेगे। जिनकी पार्किंग पुलिस आईटीआई मैदान में की जाएगी। मिण्डोस कॉलोनी की तरफ से आने वाले ऐजेटों के वाहन पीएनबी मुख्य कार्यालय तक आ सकेगें। इन वाहनों की पार्किंग रोड के दोनों तरफ रिक्त स्थान पर हो सकेगी। वैकल्पिक पार्किंग व्यवस्था के तहत आम जनता के वाहन आवश्यता होने पर एमएलए रेस्ट हाउस रोड, लाल परेड ग्राउण्ड के आईटीआई ग्राउण्ड, एमवीएम ग्राउण्ड पार्किंग में पार्क कर सकेगें।

क्लब सवा लाख के मुहाने पर राजा भोज एयरपोर्ट, नवंबर में 01 लाख 23 हजार 730 हवाई यात्रियों ने किया सफर

भोपाल। राजा भोज एयरपोर्ट से देश के विभिन्न शहरों का सफर करने वाले यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अक्टूबर के मुकाबले नवंबर में इस बार करीब छह हजार यात्रियों की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बीते दो साल के आंकड़ें देखें तो अक्टूबर के मुकाबले नवंबर में ज्यादा लोगों ने हवाई सफर किया है। यही वजह है कि हमारा एयरपोर्ट क्लब एक लाख का स्तर कायम रखने में कामयाब रहा है, लेकिन सवा लाख मासिक संख्या वाले क्लब से इस माह भी बाहर ही रहना पड़ा है।

मासिक यात्री संख्या 01 लाख 23 हजार के पार- एयरपोर्ट अथारिटी के अनुसार नवंबर में भोपाल से दिल्ली, मुंबई सहित विभिन्न शहरों तक विमान से सफर करने वाले यात्रियों की संख्या एक लाख 23 हजार 730 रही। अक्टूबर में यह संख्या एक लाख 17 हजार 494 थी। अक्टूबर में 1384 विमानों ने फेरे लगाए। नवंबर में 1495 बार विमानों ने उड़ान भरी। पिछले साल यानी नवंबर 2022 के मुकाबले भी नवंबर 2023 में यात्री संख्या बढ़ी है।

क्लब सवा एवं डेढ़ लाख का इंतजार- राजा भोज एयरपोर्ट का दिसंबर माह में क्लब सवा लाख में शामिल होना तय लगता है। अगले साल कई नई उड़ानें शुरू होने का अनुमान है। यदि एयर कनेक्टिविटी बढ़ी तो राजा भोज एयरपोर्ट क्लब डेढ़ लाख में भी शामिल हो सकता है। हाल के दिनों में एयरलाइंस कंपनियों को उम्मीद से अधिक पैसेंजर लोड मिलने लगा है। डायरेक्टर रामजी अवस्थी का कहना है कि लोड बढ़ने से नई उड़ानें शुरू होने की उम्मीद बढ़ी है।

प्राकृतिक चिकित्सा का दस दिवसीय आवासीय शिविर का भव्य शुभारंभ

प्राकृतिक चिकित्सा से संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करना सम्भव-डॉ. टेवानी

संत हिरदाराम नगर

आरोग्य केन्द्र द्वारा आयोजित रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर के अन्तर्गत दस दिवसीय शिविर का शुभारंभ शुक्रवार को किया गया। इस शिविर में विभिन्न स्थानों से कई साधक लाभान्वित होने की उम्मीद से आए है। शिविर के पहले दिन सुबह 7 बजे से शिविर में आए शिविरार्थियों का सर्वप्रथम पंजीयन एवं परामर्श प्राकृतिक चिकित्सकों द्वारा किया गया एवं इसके बाद शिविर का शुभारंभ व्याख्यान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ गुलाब राय टेवानी द्वारा दिया गया।

डॉ. गुलाब राय टेवानी ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि प्राकृतिक चिकित्सा से संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करना संभव है। इस दस दिवसीय शिविर में आप अपने शरीर का शुद्धिकरण कैसे करें वो सीखेंगे। शरीर का शुद्धिकरण होना बहुत ही आवश्यक है। इसलिए इस शिविर का नाम ही रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर रखा गया है। इस शिविर में आप दिनचर्या व उपवास की कला सीखेंगे। जिससे आप सुखमय व स्वास्थ्यमय जीवन पा सकें। स्वस्थ जीवन प्राप्त करने के लिए एक ही उपाय है, अपनी अस्वस्थ दिनचर्या में परिवर्तन कर स्वस्थ दिनचर्या को अपनाना होगा। आप अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करेंगे तो ही आप स्वास्थ्य लाभ पा सकेंगे। हमारा आहार ही हमारी औषधि है इसलिए आहार ऐसा हो जो सुपाच्य, स्वादिष्ट, पौष्टिक व स्वास्थ्यवर्धक हो। पक्व आहार से जीवित तो रह सकते है, लेकिन स्वस्थ नहीं हो सकते हैं।

नुक्कड़ वाली माता मंदिर पर पीले चावल कलश में भरे, घर-घर दिया जाएगा निमंत्रण

22 जनवरी को अयोध्या में होने वाली श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारी

संत हिरदाराम नगर

अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाली श्री राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर राजधानी सहित उपनगर संत हिरदाराम नगर में भी तैयारियां जोर शोर से चल रही है। घर-घर पीले चावल देकर सभी को निमंत्रण दिया जाएगा। शुक्रवार को नुक्कड़ वाली माता मंदिर पर विश्व हिन्दू परिषद के जिला मंत्री भूपेन्द्र सिंह गुर्जर के नेतृत्व में आचार्य पंडित रवि पटेरिया के सानिध्य में श्रीराम के जाप के साथ पीले अक्षत विद्वान ब्राह्मणों द्वारा किए गए और उसे कलश में भरा गया। अब यह अक्षत कलश के साथ घर-घर जाकर वितरित किए जायेंगे और अयोध्या में श्रीराम मंदिर के लिए आमंत्रण दिया जाएगा।

पंडित रवि पटेरिया ने बताया कि भगवान श्रीराम के 14 वर्ष बाद अयोध्या लौटने की खुशी में प्रतिवर्ष दिवाली मनाते हैं। इस बार आगामी 22 जनवरी को दूसरी दिवाली मनाई जाएगी। इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह में अयोध्या में तो सभी शामिल नहीं हो सकेंगे इसलिए जगह-जगह एकत्र होकर लाइव प्रसारण दिखाया जाएगा और सभी मंदिरों में पूजा-पाठ की

जाएगी। नुक्कड़ वाली माता मंदिर पर भी श्रीराम-जय राम-जय जय राम का जाप किया जाएगा और सीधे प्रसारण के साथ आरती की जाएगी और प्रसादी वितरण होगा।

नगर निगम अधिकारियों की लापरवाही से 15 व्यवसायिक प्रोजेक्ट अटके, दुकानदार हो रहे परेशान

भोपाल। बीते दो वर्षों में नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 15 व्यवसायिक प्रोजेक्ट मंजूर किए गए। इनका निर्माण भी किया गया। लेकिन नियमों को दरकिनार कर बनाए गए ये कामर्शियल काम्पलेक्स अधिकारियों के साथ आवंटी दुकानदारों के लिए भी मुसीबत बन गए हैं। इनमें रेरा की आपत्ति आने के बाद दुकानों की राशि चुकाने पर भी दुकानदारों को आवंटन नहीं हो पा रहा है।

बता दें कि निगम अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा दुकानदारों को चुकाना पड़ रहा है। हालत यह है कि रेरा से मंजूरी न मिलने की वजह से बची हुई दुकानों को बेचने का टेंडर भी जारी नहीं हो पा रहे हैं। उधर जिन दुकानदारों ने राशि जमा कर दी है, उनकी रजिस्ट्री से लेकर अन्य मामले उलझते जा रहे है। माना जा रहा है कि निगम के द्वारा इन काम्प्लेक्स निर्माण के दौरान रेरा से मंजूरी नहीं ली गई, जबकि नियमानुसार यह जरूरी प्रक्रिया का हिस्सा था। इसी के चलते नीलबड़ में निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में एक लाख की पेनाल्टी भी लगाई गई है।

भवन अनुज्ञा और राजस्व शाखा की लापरवाही उजागर- यांत्रिक विभाग, भवन अनुज्ञा शाखा और राजस्व शाखा की लापरवाही के चलते यह हालात बने हैं। इसके अलावा निगम द्वारा इन प्रोजेक्ट निर्माण के दौरान जमीन के मालिकाना

अधिकार को लेकर भी काम नहीं किया गया। जिसके बाद स्थिति और खराब हो गई है। दरअसल कई प्रोजेक्ट की जमीन पर मिल्कियत नजूल विभाग की है, ऐसे में इसका हस्तांतरण निगम के नाम होना था। जिसके बाद इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाना था। लेकिन आनन-फानन में राजस्व जुटाने की जल्दबाजी के चलते इन प्रोजेक्ट पर रजिस्ट्री सहित अन्य काम अटके हुए है।

15 व्यवसायिक काम्प्लेक्स में एक हजार दुकानें- इधर रेरा के पंजीयन के लिए एक अगल सेल बनाकर इसमें जोनल अधिकारियों को काम सौंपा गया है। लेकिन इनकी कार्यशैली भी लेट लतीफी वाली है। जिसके चलते भी इन प्रोजेक्ट को पूरा होने के बाद भी अभी तक काम्प्लेक्स में दुकानदारों को कब्जे नहीं मिल पा रहे है। बताया जा रहा है कि इन 15 प्रोजेक्ट में निगम द्वारा काम्प्लेक्स बनाकर एक हजार से अधिक नई दुकानें बनाई गई हैं। जिनकी नीलामी से निगम को अच्छी खासी आय हुई है, लेकिन जो दुकानें इन गलतियों के चलते बिक नहीं पाई है। उनके टेंडर अभी रेरा और नजूल सहित अन्य जरूरी प्रक्रियाओं में उलझी हुई है।

भोपाल में पेड़ों के डाक्टर के रूप में प्राणवायु दाताओं को बचा रहे युवा

भोपाल। शहर के युवा नागरिक अपने योगदान से प्रदूषण को नियंत्रित करने में सक्रिय रूप से शामिल हो रहे हैं। पेड़ों की सजीव रक्षा एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय पहलू है। पेड़ों को बचाने से न केवल वन्यजन बनता है, बल्कि ये वायुमंडल में आक्सीजन पैदा करने में मदद करते हैं और वातावरण में प्रदूषण को कम करने में सहायक होते हैं।

नव-अंकुरित पौधों को बचाने का उठाया बीड़ा- न्यू बोर्न पौधों को बचाने का डा. श्रीकांत गंगवार व उनकी टीम ने बीड़ा उठाया है, जिसमें वीरेंद्र ठाकुर और विजय मालवीय उनका सहयोग करते हैं। श्रीकांत के अनुसार न्यू बोर्न पौधों को बचाना है बहुत जरूरी है। जब हम फल खाकर गुठलियां कचरे में फेंक देते हैं तो वहां पौधा उग जाता है। कुछ समय बाद वही पौधे पेड़ बनकर हमें फल दे सकते हैं, आक्सीजन देने व प्रदूषण कम

करने के साथ ही पर्यावरण को बचाने मे योगदान दे सकते हैं। लेकिन कचरे में पड़े बीज से पौधा बन जाता है, जिस पर किसी का ध्यान नहीं जाता और वो नष्ट हो जाता है। ऐसे पेड़ जो कचरे में उगे हैं, उन्हें उनकी टीम रेस्क्यू करती है। एक पोलीथिन में मिट्टी और खाद डालकर कुछ समय रखते हैं, फिर उचित स्थान देखकर उन्हें जमीन में लगा देते है। अभी तक 70 से ज्यादा न्यू बोर्न पौधों को गंगवार और उनके साथियों ने रेस्क्यू किया है।

हमें पेड़ों को बचाने की जरूरत- एक्सेलेंचर एजुकेशनल हेल्थ एंड वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष डा. श्रीकान्त गंगवार पेड़ों के डाक्टर के नाम से प्रचलित हो गए हैं। वह बताते हैं कि पौधे तो कई लोग रोपते हैं लेकिन इस प्रदूषित भरे वातावरण में जहां हवा प्रदूषित हो रही है और एक्यूआइ 300 से भी अधिक रहता है वहां हमें पेड़ों को बचाने की जरूरत है, जो हमारे लिए आक्सीजन तो देते ही है, साथ भी प्रदूषित हवा को भी स्वच्छ करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

पेड़ को वापस खड़ा कर नया जीवन दिया- डा. श्रीकान्त गंगवार और साथी डा. अनुराग गुप्ता, अनिल बिल्लोरे ने भोपाल और इसके आसपास कई जगहों पर जाकर पेड़ों को बचाने का काम किया है। हाल ही में इन्होंने 40 फीट ऊंचे धराशायी पेड़ को नया जीवन दिया है। वहीं दानिश कुंज के पास 25 फीट ऊंचे नीम के पेड़ को बचाया। गंगवार के अनुसार हर व्यक्ति हर दिन लगभग दो से तीन पोलोथिन व प्लास्टिक उपयोग करता है, जो एक महीने में 60 से 90 तक हो जाती है। वर्षभर में 370 से 1095 होती है।

सप्रे संग्रहालय पर एमसीयू बनाएगा डॉक्यूमेंट्री फिल्म: कुलपति सुरेश

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के माखनपुरम परिसर में प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार और माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र एवं शोध संग्रहालय के संस्थापक पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर पर केंद्रित पुस्तक %विजयदत्त श्रीधर- एक शिनाख्त% पर %पुस्तक विमर्श% का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के नालंदा पुस्तकालय में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो (डॉ) के.जी. सुरेश ने की, जबकि मुख्य अतिथि पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर थे। मुख्य वक्ता जाने-माने लेखक व महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. कृपाशंकर चौबे थे। विशिष्ट अतिथि पूर्व सूचना आयुक्त एवं वरिष्ठ पत्रकार विजय मनोहर तिवारी थे।

कुलपति प्रो (डॉ) के.जी. सुरेश ने कहा कि श्रीधर जी ऐसी शख्सियत हैं, जिनकी भूमिका पत्रकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना में भी रही है। प्रो सुरेश ने कहा कि श्रीधर जी अपने आप में एक संस्था है। उन्होंने विश्वविद्यालय नवीन गठित सिनेमा अध्ययन विभाग द्वारा सप्रे संग्रहालय पर ÷द मेकिंग ऑफ सप्रे संग्रहालय÷ नाम से एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाए जाने की घोषणा की। प्रो सुरेश ने कहा कि सप्रे संग्रहालय यदि देश भर में नंबर वन है तो वह श्रीधर जी के कारण ही है। पत्रकारिता विश्वविद्यालय को

पत्रकारों की नर्सरी बताते हुए प्रो सुरेश ने कहा कि यहां के विद्यार्थियों को सप्रे संग्रहालय जाकर पुस्तकों, अखबारों, पांडुलिपियों का अध्ययन करके और भी अधिक ज्ञान प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने कहा इस तरह दोनों संस्थाओं के बीच संवाद एवं सेतु स्थापित होगा।

डॉ. कृपाशंकर चौबे ने पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला और उनके द्वारा स्थापित माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि सप्रे संग्रहालय ज्ञान तीर्थ है। डॉ चौबे ने कहा कि श्रीधर जी पत्रकारिता विश्वविद्यालय की शोध परियोजना के निदेशक भी रहे हैं और उनके द्वारा पत्रकारिता के 75 शोध प्रबंध प्रकाशित किए गए हैं जो कि बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि श्रीधर जी के रचना संचय में 27 निबंध हैं। डॉ चौबे ने पांच खंडों के बारे में बात करते हुए श्रीधर जी के द्वारा पत्रकारिता के अवदान को पाठ्यक्रम में शामिल किए जाने की बात कही।

पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर ने कहा कि संग्रहालय में करीब 5 करोड़ पन्ने हैं। लगभग 100 सालों का हस्तलिखित पांडुलिपि हैं। उन्होंने जल्द ही डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया शुरु किए जाने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने कहा की उनकी कोशिश रहेगी कि इस ऑनलाइन भी देखा जा सके।

श्रीधर जी ने कहा सप्रे संग्रहालय में अभी तक विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने 1438 द्वारा शोध प्रबंध तैयार किए जा चुके हैं। जबकि आठ लोगों ने यहां की सामग्री का अध्ययन करके डीलिट की उपाधि प्राप्त की है। श्रीधर जी ने नरसिंहपुर जिले के अपने छोटे से गांव से लेकर भोपाल आने पत्रकारिता करने एवं सप्रे संगहालय की शुरुआत से लेकर उनकी पूरी जीवन यात्रा को शानदार तरीके से बताया।

पूर्व सूचना आयुक्त एवं वरिष्ठ पत्रकार विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि सप्रे संग्रहालय शांति निकेतन जैसा खुला परिसर में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 10 से 20 एकड़ में यह भव्य रुप में बनना चाहिए। जहां देश भर के विद्यार्थी आकर अध्ययन सके। उन्होंने डिजिटल साइन बोर्ड सहित कई सुझाव दिए।

कार्यक्रम का संचालन प्रो शिवकुमार विवेक ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन कुलसचिव डॉ अविनाश वाजपेयी ने किया। नालंदा पुस्तकालय में आयोजित इस कार्यक्रम में पुस्तकालय विभाग की अध्यक्ष डॉ आरती सारंग, विभिन्न विभागों के विभाग अध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी उपस्थित थे।

यह एग्जिट पोल नहीं, भाजपा का षड्यंत्रकारी प्री-पेड पोल है: सज्जन सिंह वर्मा

कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ उत्साह में रहे, प्रदेश की जनता ने कांग्रेस को प्रचण्ड बहुमत से जीत दिलाने किया है मतदान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस विधायक सज्जन सिंह वर्मा ने आज प्रदेष कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ टी.वी. चैनलों पर विधानसभा चुनाव परिणाम को लेकर जो एग्जिट पोल दिखायें हैं, यह एग्जिट पोल नहीं, बल्कि कांग्रेस और प्रदेष की जनता को भ्रमित और गुमराह कर उनका मनो[illegible]ने की नाकाम साजिष रचकर प्रदेष के कर्मचारियों-अधिकारियों पर दबाव बनाकर अपने पक्ष में माहौल बनाने की साजिष है। लेकिन भाजपा की यह साजिष कभी कामयाब नहीं होगी। क्योंकि प्रदेष की जनता ने कांग्रेस पार्टी को प्रचण्ड बहुमत से जीत दिलाने के लिए और प्रदेष में बदलाव के लिए मतदान किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपनी राजनैतिक रोटियां सैकने के लिए यह मनगणंत प्री-पेड पोल का इस्तेमाल कर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का मनोबल तोड़ने की नाकाम कोषिष की जा रही है। लेकिन कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता अपनी पूरी बुद्धि, विवेक, मनोबल और साहस के साथ जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा और कांग्रेस की प्रचण्ड बहुमत से सरकार बनेगी।

श्री वर्मा ने कहा कि कुछ एक्जिट पोल ने कांग्रेस पार्टी को विजयी बताया है, जबकि कुछ एग्जिट पोल द्वारा भाजपा की बढ़त दिखाई है। उन्होंने आज तक न्यूज चैनल और एक्सिस के एग्जिट पोल पर आष्चर्य जताते हुए कहा कि स्वयं आज तक न्यूज चैनल के दो संपादकों राहुल कंवल और राजदीप सरदेसाई ने वीडियो जारी कर इस एग्जिट पोल को सही मानने से इनकार कर दिया है। जब आज तक के संपादक स्वयं ही एग्जिट पोल को खारिज कर रहे हैं तो किसी अन्य के उसे स्वीकार करने का कोई सवाल ही नहीं उठता है।

श्री वर्मा ने कहा कि इसी तरह न्यूज-24-चाणक्य के एग्जिट पोल उनके ही चैनल के संपादक राजीव रंजन ने खारिज कर दिया है। एबीपी न्यूज, टाईम्स नॉव, दैनिक भास्कर और लोकपाल के एग्जिट पोल में कांग्रेस पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिल रहा है। लोकपाल के एग्जिट पोल में कांग्रेस पार्टी को 142 सीटें मिलती हुई बताई गई है। उन्होंने कहा कि सी वोटर के सर्वे में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि करीबी मुकाबले में फसी हुई सीटें कांग्रेस के पक्ष में गईं तो कांग्रेस पार्टी 165 सीटें भी जीत सकती हैं। श्री वर्मा ने कहा कि विदित होगा कि कर्नाटक चुनाव में लोकपाल ने सबसे सटीक सर्वे करते हुए कांग्रेस को 134 सीटें दी थी और कांग्रेस को 135 सीटें प्राप्त हुई थी। श्री वर्मा ने कहा कि देष के प्रतिष्ठित समाचार पत्र दैनिक भास्कर ने जो एग्जिट पोल दिया है, उसमें भी स्पष्ट बहुमत से कांग्रेस पार्टी की सरकार बन रही है। श्री वर्मा ने कहा कि मैं अपनी ओर से कहना नहीं चाहता हूं, लेकिन लोकतंत्र के महत्वपूर्ण चौथे स्तंभ के पत्रकार साथी स्वयं पता करें कि एक्सिस माई इंडिया के सीईओ प्रदीप गुप्ता मप्र के बालाघाट जिले के वारासिवनी के निवासी है या नहीं और उनका पूरा परिवार आरएसएस से जुड़ा हुआ है या नहीं।

मेडिकल पाठ्यक्रम में फार्माकोविजिलेंस को शामिल करने पर विचार-विमर्श

भोपाल। फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स भोपाल, जो फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पीवीपीआई) के तहत मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में फार्माकोविजिलेंस के लिए एक प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र और क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र (आरटीसी) है, ने 1 दिसंबर, 2023 को फार्माकोविजिलेंस सह समन्वयक बैठक में अपना सातवां उन्नत स्तर का प्रशिक्षण आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन एम्स, भोपाल के कार्यपालक निदेशक डॉ. अजय सिंह ने किया, जिन्होंने रोगी सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए ऐसे प्रशिक्षणों की आवश्यकता की सराहना की।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 मेडिकल कॉलेजों के समन्वयक, उप समन्वयक और फार्माकोविजिलेंस एसोसिएट्स ने भाग लिया। कार्यक्रम को आईपीसी, गाजियाबाद द्वारा वित्त पोषित किया गया था, जो भारत के फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय समन्वय केंद्र है। डॉ आर एस रे, वैज्ञानिक सहायक, पीवीपीआई ने सभा को भारत में फार्माकोविजिलेंस की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी। फार्माकोलॉजी के प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. बालाकृष्णन एस द्वारा कॉस्मेटोविजिलेंस के एक आगामी क्षेत्र की शुरुआत की गई। डॉ. अरुण श्रीवास्तव, निदेशक चिकित्सा शिक्षा, मध्य प्रदेश और फार्माकोलॉजी के प्रोफेसर, गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल ने कम रिपोर्टिंग की समस्या और प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग बढ़ाने के तरीकों पर जोर दिया। आरटीसी के समन्वयक डॉ. रतिंदर झाज ने प्रतिकूल घटनाओं के कारणता मूल्यांकन के तरीकों का वर्णन किया। डॉ. पूजा रेड्डी, प्रोफेसर और फार्माकोलॉजी की प्रमुख, श्री अरबिंदो इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, इंदौर ने मेडिकल पाठ्यक्रम में फार्माकोविजिलेंस को शामिल करने के बारे में अपने विचार साझा किए। श्री गौरव कुमार, उप औषधि नियंत्रक, सीडीएससीओ, इंदौर ने भी कार्यवाही में भाग लिया।

फार्माकोविजिलेंस प्रशिक्षण और समन्वयक बैठक

भोपाल। फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स भोपाल, जो फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया (पीवीपीआई) के तहत मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में फार्माकोविजिलेंस के लिए एक प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र और क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र (आरटीसी) है, ने 1 दिसंबर, 2023 को फार्माकोविजिलेंस सह समन्वयक बैठक में अपना सातवां उन्नत स्तर का प्रशिक्षण आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन एम्स, भोपाल के कार्यपालक निदेशक डॉ. अजय सिंह ने किया, जिन्होंने रोगी सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए ऐसे प्रशिक्षणों की आवश्यकता की सराहना की।

कांग्रेस की होगी जीत, एग्जिट पोल की खुलेगी पोल: कमलेश्वर पटेल

भोपाल। विधायक एवं पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 के प्रायोजित एग्जिट पोल और ओपिनियन पोल के अलग-अलग नतीजों से स्पष्ट है कि सर्वे अवैज्ञानिक तरीके से किए गए है।

पटेल ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में लगे प्रशासनिक अमले पर दबाव बनाने और कम अंतर से जीत, हार वाली सीटों पर मतगणना प्रभावित करने के इरादे से यह सब किया जा रहा है। श्री पटेल ने कहा कि जब मतगणना की तारीख निश्चित है तब अवैज्ञानिक आधार पर किए गए एग्जिट पोल कितने ठीक हैं, यह मतदाताओं को तय करना है। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल को कितनी सीट मिलती हैं, यह मतदाता तय करते हैं, यह एग्जिट पोल तय नहीं करता।

श्री विधायक पटेल ने कहा कि इस प्रकार का सर्वे एग्जिट पोल भारतीय जनता पार्टी के द्वारा प्रायोजित है और आरएसएस के पदाधिकारियों द्वारा सर्वे करवाया जा रहा है।

श्री पटेल ने कहा कि मध्य प्रदेश के मतदाताओं ने भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, मंहगाई, कुशासन, गुंडागर्दी, गरीबी, आमदनी घटने जैसे मुद्दों को लेकर सत्ताधारी भाजपा के खिलाफ प्रदान किया है। अंतिम परिणाम कांग्रेस के पक्ष में आएगा और इस चुनाव में जनता की जीत होगी। श्री पटेल ने कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आग्रह किया है की मतगणना के दौरान चौकन्ने रहकर सतर्कता पूर्वक कार्य करें। थोड़ी सी भी गड़बड़ी की कोशिश होने पर तत्काल वरिष्ठ कांग्रेसजनों को सूचित करें और विरोध दर्ज कराएं। सत्य की जीत होगी, एग्ज़िट पोल की पोल खुलेगी।

पार्टी कार्यकर्ता कांग्रेसियों की बेईमानी से सतर्क रहकर मतगणना की प्रक्रिया में सूक्ष्मता से नजर रखें - सुमित पचौरी

भोपाल की सभी 6 विधानसभा के पोलिंग एजेंट का प्रशिक्षण वर्ग प्रदेश कार्यालय में संपन्न

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारतीय जनता पार्टी जिला भोपाल द्वारा मतगणना पोलिंग एजेंट का प्रशिक्षण शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में संपन्न हुआ।

बैठक में पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री सुमित पचौरी, प्रदेश उपाध्यक्ष व उत्तर विधानसभा के प्रत्याशी श्री आलोक शर्मा, पार्टी प्रदेश महामंत्री व दक्षिण पश्चिम के प्रत्याशी श्री भगवानदास सबनानी, कैबिनेट मंत्री नरेला विधानसभा के प्रत्याशी श्री विश्वास सारंग, प्रदेश मंत्री श्री रजनीश अग्रवाल, श्री एस एस उप्पल एवं महापौर श्रीमती मालती राय ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिला अध्यक्ष श्री सुमित पचौरी प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करते हुए कहा हमें मतगणना की टेबल पर विशेष तौर पर ध्यान रखना है खासतौर पर बैलेट पेपर सरकारी कर्मचारियों द्वारा दिया गया वोट उसको अच्छी तरह देखना है। उन्होंने कहा कि आप सभी ने चुनाव में जो निरंतर परिश्रम किया है उसका प्रतिफल प्राप्त करने का समय आ गया है। आप सभी मतगणना अभिकर्ता तय समय और मानकों के साथ मतगणना स्थल पर अपनी निर्धारित टेबल पर उपस्थित रहें। हम सभी को मतगणना की प्रक्रिया में सूक्ष्मता से नजर रखेंगे तथा मतगणना समाप्त होने की प्रक्रिया के बाद ही अपनी नियत जगह से उठेंगे।

नेताओं ने कहा कि आप सभी के अथक परिश्रम, हमारी सरकारों के काम और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की विश्वसनीयता के कारण हम विधानसभा चुनाव में भारी विजय के रास्ते पर चल पड़े हैं। इस अवसर पर नेताद्वय ने मतगणना के दौरान आवश्यक एवं करणीय कार्यों की विस्तृत जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं ने पूरे चुनाव अभियान में घनघोर परिश्रम किया है और हमारी सरकारों के काम को भी व्यापक समर्थन मिला है। इसी कारण से कांग्रेस के लोग बौखलाए हुए हैं। वे मतगणना के दौरान बेईमानी करने के भी प्रयास करेंगे, लेकिन हमारा कार्यकर्ता सक्षम, निर्भय और सतर्क है। हम कांग्रेसियों की हर चाल का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम हैं। कांग्रेस के कुत्सित प्रयासों के बावजूद हम मतगणना की पारदर्शिता को प्रभावित नहीं होने देंगे। हमारे कार्यकर्ता कुछ भी गड़बड़ होने पर चुप नहीं बैठेंगे, बल्कि हर बात को चुनाव आयोग के संज्ञान में लाएंगे।

एम्स भोपाल में विश्व एड्स दिवस समारोह: समावेशिता की प्रतिज्ञा

भोपाल। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर, एआरटी सेंटर एम्स भोपाल ने 01 दिसम्बर को अत्यधिक उत्साह और व्यावसायिकता के साथ मनाया और मनाया। इस अवसर पर एम्स भोपाल के अध्यक्ष डॉ. सुनील मलिक, कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर डॉ. अजय सिंह, डीन प्रोफेसर डॉ. रजनीश जोशी और चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर डॉ. शशांक पुरवार, परियोजना निदेशक एमपीएसएसीएस सुश्री सुरभि गुप्ता और सीएमएचओ डॉ. उपस्थित थे। .प्रभाकर तिवारी.

अध्यक्ष डॉ. मलिक ने निदेशक प्रो. सिंह के नेतृत्व में पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के लिए एम्स भोपाल के अनगिनत प्रयासों की सराहना की। उन्होंने एचआईवी/एड्स के क्षेत्र में सेवा वितरण, प्रशिक्षण-शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के समेकन के संबंध में भी सभा को संबोधित किया। निदेशक डॉ. सिंह ने एम्स भोपाल को पूरे मध्य भारत में ध्वजवाहक बनने की प्रतिबद्धता जताई। सीएमएचओ डॉ. तिवारी ने न केवल एचआईवी/एड्स के क्षेत्र में बल्कि सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों और उससे आगे के क्षेत्र में चल रहे समर्थन और सहयोग के लिए एम्स भोपाल प्रशासन की प्रशंसा की। इस अवसर पर परियोजना निदेशक सुश्री गुप्ता आईएएस ने एमपी राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों के बारे में नर्सिंग छात्रों और पैरामेडिकल स्टाफ को संबोधित किया और युवा पीढ़ी से इस कलंकित बीमारी को खत्म करने के लिए आगे आने की अपील की। इस अवसर पर छात्रों और स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं के बीच बाइक रैली, नुक्कड़ नाटक, क्विज़ और पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिताओं जैसे विभिन्न सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। समुदाय में एचआईवी पॉजिटिव वक्ताओं की रोंगटे खड़े कर देने वाली भेदभाव की कहानियाँ और बीमारी से लड़ने की उनकी प्रेरणा ने प्रतिभागियों के बीच स्थायी यादें छोड़ दीं। इस अवसर पर जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. उपेन्द्र दुबे, जिला क्षय अधिकारी डॉ. मनोज वर्मा एवं एमपीएसएसीएस से डॉ. महेंद्र जैन भी उपस्थित रहे और अपने विचार साझा किये।

एम्स भोपाल में मध्य क्षेत्र जैव रसायन सम्मेलन की मेजबानी

भोपाल। एम्स भोपाल का बायोकैमिस्ट्री विभाग गर्व से एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया (एसीबीआईसीओएन) के सहयोग से 19 और 20 जनवरी, 2024 को सेंट्रल जोन बायोकैमिस्ट्री सम्मेलन की घोषणा करता है।

यह अभूतपूर्व कार्यक्रम चिकित्सकों और बायोमेडिकल वैज्ञानिकों को क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री में अग्रणी विशेषज्ञों के साथ सहयोग और बातचीत के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करता है। मुख्य विवरणों पर प्रकाश डालने वाला पहला आधिकारिक सम्मेलन फ्लायर अब देखने के लिए उपलब्ध है।

ज्ञान के आदान-प्रदान और अंत:विषय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किए गए सम्मेलन में आकर्षक सत्र, पैनल चर्चा और नेटवर्किंग के अवसर शामिल होंगे, जो मध्य क्षेत्र में नैदानिक जैव रसायन विज्ञान में प्रगति में योगदान देंगे।

चिकित्सकों और बायोमेडिकल वैज्ञानिकों सहित इच्छुक प्रतिभागियों को इस रोमांचक वैज्ञानिक प्रयास के लिए पंजीकरण करने और अपने स्थान सुरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अधिक जानकारी और पंजीकरण के लिए कृपया संपर्क करें- 07553672319/

एम्स भोपाल में राष्ट्रीय पैथोलॉजी एमबीबीएस क्विज़ प्रतियोगिता

भोपाल। एम्स भोपाल के पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन विभाग ने 30 नवंबर को इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट (आईएपीएम) के तत्वावधान में नेशनल पैथोलॉजी एमबीबीएस क्विज का अंतिम ऑफ़लाइन दौर आयोजित किया। इसमें कुल 307 टीमों ने पंजीकरण कराया था, जबकि 218 टीमों ने ऑनलाइन स्क्रीनिंग राउंड में भाग लिया। टीमों को 4 (उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम) क्षेत्रों में वितरित किया गया था। प्रत्येक ज़ोन की शीर्ष दो विजेता टीमों ने अंतिम ऑफ़लाइन राउंड में भाग लिया। भाग लेने वाले कॉलेज थे- एमएएमसी, नई दिल्ली; एम्स बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश; कोप्पल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, कोप्पल; जेएनएमसी बेलगावी, कर्नाटक; पं. जेएनएम मेडिकल कॉलेज, रायपुर, छत्तीसगढ़; बीजेएमसी अहमदाबाद; और गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल, म.प्र. क्विज़ का उद्घाटन डीन एकेडमिक्स, प्रो. रजनीश जोशी ने किया और प्रो. नीलकमल कपूर (पूर्व प्रमुख, पैथोलॉजी विभाग, एम्स भोपाल) की उपस्थिति ने इसकी शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर डॉ. ज्योति प्रियदर्शनी श्रीवास्तव, प्रो. पैथोलॉजी, जीआरएमसी, ग्वालियर उपस्थित थीं। ढ्ढक्क्रूद्वारा नामित पर्यवेक्षक ने अपना काम सतर्कता से किया। क्विज़, जिसमें कुल आठ राउंड शामिल थे, को दर्शकों और ढ्ढक्क्रू पर्यवेक्षक द्वारा खूब सराहा गया। इस राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी के विजेताओं और प्रथम और द्वितीय उपविजेताओं को कार्यपालक निदेशक और सीईओ, एम्स भोपाल, प्रोफेसर अजय सिंह द्वारा ट्रॉफी और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। पं. के श्री राघव भाटिया एवं श्री मानस आनंद को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, बेलगावी, कर्नाटक; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश से सुश्री सागरिका अग्रवाल और श्री सृजन सत्यम को दूसरा पुरस्कार; और तीसरा पुरस्कार गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश के श्री मोहम्मद शहरोज़ हसन और श्री मनुज चतुर्वेदी की टीम को प्रदान किया गया।

यह राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी प्रोफेसर वैशाली वाल्के, एचओडी पैथोलॉजी, एम्स भोपाल के मुख्य समन्वयक और आईएपीएम के अध्यक्ष डॉ. शारदा राणे और आईएपीएम के सचिव डॉ. रंजन अग्रवाल के समन्वय में आयोजित की गई थी। आयोजन का सफल क्रियान्वयन आयोजन टीम के पूरे दिल से सहयोग और समर्थन से संभव हुआ, जिसमें पैथोलॉजी और लैब मेडिसिन के संकाय सदस्यों, निवासियों और कर्मचारियों के साथ-साथ क्विज़ मास्टर्स डॉ. श्रमण मुखोपाध्याय (अपर प्रोफेसर) और डॉ. शक्ति कुमार यादव (सहायक प्रोफेसर) के अथक प्रयास भी शामिल थे।

स म्पा द की य

परिणामपूर्व बाड़ेबंदी का खेल

पांच राज्यों के चुनाव परिणाम कल आएंगे और कल दोपहर बाद स्पष्ट हो जाएगा कि कहां किसकी सरकार बन रही है। इसके बावजूद उठापटक की आशंका कम नहीं है। एक्जिट पोल के उलझे आंकड़ों से सभी सियासी दलों की बेचैनी बढ़ गई है। नजदीकी मुकाबले की आशंका के बीच दलों ने बाड़ेबंदी शुरू कर दी है। कांग्रेस पहले की घटनाओं से सीख लेते हुए ज्यादा सतर्क है। कहीं विधायकों को दूसरे राज्यों के रिसोर्ट में भेजने की तैयारी चल रही है, तो कहीं कुछ और रणनीति तैयार की गई है।

छत्तीसगढ़ के जीते प्रत्याशियों को बेंगलुरू भेजने की तैयारी की खबर है और बताया जा रहा है कि इसके लिए दो चार्टर्ड प्लेन बुक करा दिए गए हैं। दूसरी ओर, मप्र में तीन एग्जिट पोल में एकतरफा जीत को लेकर उत्साहित भाजपा के नेता जीत के कारण गिनाने में जुटे हैं। वह असंतुष्ट कांग्रेसियों व निर्दलीयों से लगातार बात कर रहे हैं। वहीं, चार एग्जिट पोल में आगे कांग्रेस ने कार्यकर्ताओं को ध्यान मतगणना में लगाने के निर्देश दिए हैं। वह सर्वे के आंकड़े सिर्फ ध्यान भटकाने के लिए ही बताए जा रहे हैं।

मप्र में अधिकतर सर्वे में कड़े मुकाबले की स्थिति आ रही है। इसके मद्देनजर भाजपा निर्दलीय व असंतुष्ट कांग्रेसियों के संपर्क कर चुकी है। कांग्रेस में कमलनाथ-दिग्विजय-रणदीप सुरजेवाला ने मोर्चा संभाल लिया है। पूर्व सीएम कमलनाथ और सुरजेवाला अपील कर रहे हैं कि सभी कार्यकर्ता मैदान में आ जाएं, भाजपा हार चुकी है। सीएम शिवराज ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद और गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति की बदौलत हम पूर्ण बहुमत से सरकार बना रहे हैं। वे लाडली बहना का नाम भी ले रहे हैं।

राजस्थान में भाजपा-कांग्रेस दोनों ने बाड़ेबंदी पर काम शुरू कर दिया है। कांग्रेस की ओर से सीएम अशोक गहलोत सूत्रधार हैं। उन्होंने प्रत्याशियों ने मुलाकात शुरू की है। भाजपा से प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और प्रभारी अरुण सिंह ने तैयारी शुरू कर दी है। पूर्व सीएम वसुंधरा भी आरएसएस कार्यालय पहुंचीं। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने सभी प्रत्याशियों को क्रिकेट मैच के बहाने रायपुर बुलाया है। कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा पहले ही प्रत्याशियों से वन टू वन मिल चुकी हैं। भाजपा प्रभारी ओम माथुर भी प्रत्याशियों के संपर्क में हैं। बसपा, जोगी कांग्रेस और कुछ निर्दलियों के भी संपर्क में है।

तेलंगाना में एक्जिट पोल भले ही कांग्रेस के पक्ष में है, लेकिन पार्टी किसी अन्य स्थिति के लिए भी तैयार है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि यदि कांग्रेस 70 सीटों के आंकड़े से पीछे रह जाती है तो वैसी स्थिति में विधायकों को बेंगलुरु या किसी अन्य स्थान पर ले जाने की योजना है। उन्हें किसी होटल या रिसॉर्ट में रखा जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि पार्टी आलाकमान किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहता और 3 दिसंबर को खरीद-फरोख्त को रोकने के लिए अपने विधायकों को शिफ्ट करने की रणनीति बना रहा है। तेलंगाना कांग्रेस प्रमुख रेवंत रेड्डी कह रहे हैं कि वह पार्टी की जीत के प्रति आश्वस्त हैं। 119 सदस्यीय तेलंगाना विधानसभा में सरकार बनाने का जादुई आंकड़ा 60 है। अगर विधायकों को शिफ्ट करने की जरूरत पड़ी तो कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार की अहम भूमिका होने की उम्मीद है। उन्होंने 2018 में कर्नाटक विधानसभा में शक्ति परीक्षण के दौरान विधायकों के लिए इसी तरह की व्यवस्था की थी। इसी तरह के एक सवाल के जवाब में डीके शिवकुमार ने कहा है कि पार्टी आलाकमान कहे तो वह सभी पांच राज्यों के विधायकों को संभाल सकते हैं।

जिन राज्यों में स्पष्ट बहुमत के साथ ही संख्या में अधिक अंतर आता है, वहां विधायकों के टूटने की स्थिति नहीं बनेगी। लेकिन जहां बहुत मामूली अंतर आएगा, या कोई पार्टी बहुमत नहीं ले पाती है, वहां तोड़फोड़ से इंकार नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि पार्टियां पहले से ही तैयारियों में जुट गई हैं। कांग्रेस तो दूध की जली है, इसलिए छाछ भी फूंक-फूंक कर पी रही है। पिछली बार डेढ़ साल में ही कांग्रेस सरकार गिर गई थी। अब किसी पर भरोसा न करते हुए कमलनाथ ने खुद ही मोर्चा संभाल लिया है। कल काफी कुछ साफ हो जाएगा, जहां नहीं होगा, वहां आने वाले कुछ दिन कश्मकश भरे रह सकते हैं। मध्यप्रदेश में सबके अनुमान अलग-अलग हैं, लेकिन रस्साकशी का माहौल तो बन ही गया है।

एग्जिट पोलः जितने मुंह, उतनी बातें

प्रमोद भार्गव

2024 लोकसभा चुनाव के सेमीफाइनल माने जा रहे पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल, मसलन वास्तविक अनुमान कहीं बदलाव तो कहीं बराबर की टक्कर जता रहे हैं। वास्तविक नतीजे तो 03 दिसंबर को आएंगे, उससे पहले सामने आए इन अनुमानों ने मतदाता की नब्ज टटोलने की कोशिश की है। लेकिन इस बार एग्जिट पोलों में जो भिन्नता व दुविधा दिखाई दे रही है, उससे लगता है कि मतदाता की मंशा टटोलने वाली सर्वे एजेंसियों की सर्वेक्षण प्रणालियां वैज्ञानिक नहीं हैं क्योंकि मध्यप्रदेश से जुड़े जो आठ सर्वे खबरिया चैनलों में प्रसारित हुए हैं, उनमें से सात भाजपा को और एक एबीपी-सी वोटर कांग्रेस को बहुमत दे रहे हैं। भाजपा सत्ता में आती है तो इसका जीत का श्रेय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और चुनाव के ठीक पहले लाई गई 'लाडली बहना योजना' को दिया जाएगा। जिन सात सांसदों को विधानसभा चुनाव लड़ाया गया था, वे खुद अपनी जीत की उधेड़बुन में लगे रहे। ज्योतिरादित्य सिंधिया ग्वालियर-चंबल अंचल में कोई करिश्मा दिखा पाएंगे, ऐसा मतदाता के रुख से फिलहाल नहीं लग रहा है।

राजस्थान के आठ सर्वे में से पांच भाजपा और तीन कांग्रेस के पक्ष में हैं। छत्तीसगढ़ में आठ में से आठ सर्वे कांग्रेस को फिर से सत्ता में आते दिखा रहे हैं। तेलंगाना में छह सर्वे में से पांच सर्वे कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत दे रहे हैं। दूसरे नंबर पर यहां मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की पार्टी भारतीय राष्ट्र समिति है। भाजपा को पांच से लेकर 13 सीटों पर ही संतोष करना पड़ेगा। साफ है, कर्नाटक के बाद कांग्रेस तेलंगाना में भी सत्तारूढ़ होती दिख रही है। यहां के चंद्रशेखर राव की पार्टी बीआरएस अधिकांश एक्जिट पोल में कांग्रेस से चुनाव हारती हुई नजर आ रही है। ध्यान रहे, तेलंगाना में कुछ ही महीने पहले कांग्रेस चुनावी संग्राम में उतरी थी। बावजूद वह बढ़त में है तो इसका प्रमुख कारण सत्तारूढ़ दल के प्रति सत्ता विरोधी रुझान है। यहां कांग्रेस को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा भी लाभ पहुंचाती दिख रही है। भाजपा का तेलंगाना में बुरी तरह से पिछड़ना इस बात का संकेत है कि दक्षिण भारत में न तो राम मंदिर और धारा-370 जैसे मुद्दे काम आए और न ही नरेंद्र मोदी और अमित शाह का जादू चला।

मिजोरम में राष्ट्रीय पार्टियां आती नहीं दिख रही हैं। यहां त्रिशंकु सरकार बनती दिखाई दे रही है। मिजोरम में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में 14 से 18 सीटों की जीत के साथ एमएनएफ उभरती दिख रही है। उसका सीधा मुकाबला जेडपीएम से है। इस क्षेत्रीय दल को 12 से 16 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस को 8 से 10 और भाजपा को दो सीटें मिलने के अनुमान लगाए गए हैं। साफ है, एग्जिट पोल करने वाली सर्वे एजेंसियों में इतना झोल और विरोधाभास है कि ये सर्वे भरोसे के नहीं लग रहे हैं। इसीलिए इन सर्वेक्षणों को 'जितने मुंह, उतनी बातें' कहा जा रहा है। वैसे भी ये अनुमान संयोग से ही सटीक बैठते हैं।

ओपीनियन पोल, मसलन जनमत सर्वेक्षण जहां मतदान पूर्व मतदाता की मंशा टटोलने की कोशिश हैं, वहीं एग्जिट पोल, अर्थात सटीक सर्वेक्षण, मतदान पश्चात, मतदाता का निर्णय जानने की कोशिश हैं। ओपीनियन पोल बाई द वे शुल्क चुकाकर प्रायोजित ढंग से कराए जा सकते हैं, इसलिए क्योंकि इनके प्रकाशित व प्रसारित होने के बाद मतदाता के रुख को प्रभावित किया जा सकता है। किंतु एग्जिट पोल मतदान पूरा हो चुकने के बाद, महज वास्तविक परिणाम के पूर्व अनुमान हैं। इसलिए कोई राजनीतिक दल इन्हें अपनी इच्छानुसार कराने में रुचि नहीं लेता। मतदान के बड़े प्रतिशत को अब तक सत्तारूढ़ दल के खिलाफ व्यक्तिगत असंतुष्टि और व्यापक असंतोष के रूप में देखा जाता था, लेकिन मतदाता में आई बड़ी जागरूकता ने परिदृश्य को बदला है, इसलिए इसे केवल नकारात्मकता की तराजू पर तोलना बड़ी भूल होगी। इसे सकारात्मक दृष्टि से देखने की भी जरूरत है। मध्यप्रदेश में महिलाओं का बढ़ा प्रतिशत भाजपा के पक्ष में दिखाई दे रहा है।

मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा इस बार चुनाव के दो माह पहले तक मुश्किल में दिखाई दे रही थी। लेकिन अब लाडली बहना उसे वैतरणी पार कराती दिखाई दे रही है। जबकि 2013 में शिवराज अपने बूते 200 विधानसभा सीटों में से 165 सीटें जीतने में सफल हो गए थे। ज्योतिरादित्य सिंधिया के हाथ चुनाव की कमान होने के बावजूद कांग्रेस महज 58 सीटों पर सिमटकर रह गई थी। मतदान के बड़े प्रतिशत के बावजूद मतदाता को मौन माना जा रहा है। लेकिन मतदाता मौन कतई नहीं है। मौन होता तो चैनल एग्जिट पोल के लिए कैसे सर्वे कर पाते? हां,उसने खुलकर राज्य सरकार को न तो अच्छा कहा और न ही उसके कामकाज के प्रति मुखरता से नाराजी जताई। मतदाता की यह मानसिकता, उसके परिपक्व होने का पर्याय है। वह समझदार हो गया है। अपनी खुशी अथवा कटुता प्रकट करके वह किसी दल विशेष से बुराई मोल लेना नहीं चाहता। इस लिहाज से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व जीवंत माध्यम बनी सोशल साइट्स पर खातेदारों ने दलीय रुचि नहीं दिखाई। हां क्षेत्रीय और राष्ट्रीय मुद्दे उछाल कर आभासी मित्रों की राय जानने की कोशिश में जरूर लगे रहे। मानसिक रूप से परिपक्व हुए मतदाता की यही पहचान है।

पारंपरिक नजरिए से मतदान में बड़ी रूचि को सामान्यतः एंटी इनकमबेंसी का संकेत, मसलन मौजूदा सरकार के विपरीत चली लहर माना जाता है। इसे प्रमाणित करने के लिए 1971, 1977 और 1980 के आम चुनाव में हुए ज्यादा मतदान के उदाहरण दिए जाते हैं। लेकिन यह धारणा पिछले कुछ चुनावों में बदली है। 2018 में छोड़ 2013, 2008 और 2003 में बड़े मतदान का लाभ सत्तारूढ़ होते हुए भी मध्यप्रदेश में भाजपा को मिलता रहा है। 2010 के चुनाव में बिहार में मतदान प्रतिशत बढ़कर 52 हो गया था, लेकिन नीतीश कुमार की ही वापसी हुई। जबकि पश्चिमी बंगाल में ऐतिहासिक मतदान 84 फीसदी हुआ और मतदाताओं ने 34 साल पुरानी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की बुद्धदेव भट्टाचार्य की सरकार को परास्त कर, ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को जीत दिलाई थी। गोया, चुनाव विश्लेषकों और राजनीतिक दलों को अब किसी मुगालते में रहने की जरूरत नहीं है, मतदाता पारंपरिक जड़ता और प्रचलित समीकरण तोड़ने पर आमदा हैं।

बड़े मत प्रतिशत का सबसे अहम, सुखद व सकारात्मक पहलू है कि यह अनिवार्य मतदान की जरूरत की पूर्ति कर रहा है। हालांकि फिलहाल हमारे देश में अनिवार्य मतदान की संवैधानिक बाध्यता नहीं है। निकट भविष्य में इस उम्मीद की पूरी होने की संभावना भी नहीं है। मेरी सोच के मुताबिक ज्यादा मतदान की जो बड़ी खूबी है, वह है कि अब अल्पसंख्यक व जातीय समूहों को वोट बैंक की लाचारगी से छुटकारा मिल रहा है। इससे कालांतर में राजनीतिक दलों को भी तुष्टिकरण की मजबूरी से मुक्ति मिलेगी क्योंकि जब मतदान प्रतिशत 75 से 85 प्रतिशत होने लग जाएगा तो किसी धर्म, जाति, भाषा या क्षेत्र विशेष से जुड़े मतदाताओं की अहमियत खत्म हो जाएगी। नतीजतन उनका संख्याबल जीत या हार की गारंटी नहीं रह जाएगा लिहाजा सांप्रदायिक व जातीय आधार पर ध्रुवीकरण की राजनीति नगण्य हो जाएगी।

यह स्थिति मतदाता को धन व शराब के लालच से मुक्त कर देगी क्योंकि कोई प्रत्याशी छोटे मतदाता समूहों को तो लालच का चुग्गा डालकर बरगला सकता है, लेकिन संख्यात्मक दृष्टि से बड़े समूहों को लुभाना मुश्किल होगा। जाहिर है, ऐसे हालात भविष्य में निर्मित होते हैं तो भारतीय राजनीति संविधान के उस सिद्धांत का पालन करने को मजबूर होगी, जो सामाजिक न्याय और समान अवसर की वकालत करता है। बड़ा मतदान प्रतिशत ही ऐसा प्रमुख कारण है, जिसके चलते एग्जिट पोल इकतरफा नहीं रह गए हैं क्योंकि इसके सर्वे के नमूने का प्रतिशत बहुत कम होता है। गोया, इस आधार पर बड़े मतदाता समूह की मंशा की पड़ताल करना और व्यावहारिक नतीजे पर पहुंचना बहुत कठिन काम है। वैसे भी अब कई सर्वे एजेंसियां क्षेत्रीय पत्रकारों से फोन पर बात करके नतीजों का अनुमान लगाने का तरीका अपना रहे हैं। जो सर्वे की वैज्ञानिक प्रणाली को नकारता है। दरअसल क्षेत्रीय पत्रकार किसी न किसी दल या प्रत्याशी से प्रभावित रहते हैं और उसी प्रभाव के चलते वे अपनी राय व्यक्त कर देते हैं, जो तटस्थ नहीं होती। इसीलिए इस बार एग्जिट पोल के अनुमानों को जितने मुंह, उतनी बातें कहा जा रहा है।

इस हादसे से कुछ सबक़ लीजिए

राकेश दुबे

यह बात अब जग ज़ाहिर हो गई है कि पहाड़ी इलाकों में सुरंग बनाने और मार्गों के विस्तार के निर्माण-कार्य, मानकों की तुलना में, घटिया स्तर के हैं, लिहाजा पहाड़ और मानवीय जीवन लगातार खतरे में हैं। उत्तराखंड की उत्तरकाशी सुरंग के निर्माण से जुड़ी अनियमितताओं और अहम शर्तों, प्रावधानों की अनदेखी पर सवाल करना उतना ही उचित है, जितना फंसे 41 मजदूरों की जिंदगियां बचाना जरूरी था।

सर्वोच्च अदालत ने भी फैसलों के अलावा, विशेषज्ञ समितियां भी बनाईं, लेकिन सभी के निष्कर्ष कमोबेश ऐसे ही रहे हैं। वे पहाड़ में निर्माण और खुदाई के खिलाफ नहीं थीं। उत्तराखंड में औसतन 6 करोड़ पर्यटक सालाना जाते हैं, जिनसे करीब 15,000 करोड़ रुपए का राजस्व मिलता है। उनमें काफी पर्यटक चारधाम की यात्रा भी करते हैं, लिहाजा वे सुरंगों को पार करके ही केदारनाथ, बद्रीनाथ तक जा सकते हैं। यहाँ प्रशन पैदा होता है कि क्या इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जिंदगी को जोखिम में धकेला जा सकता है? विवादित सुरंग के संदर्भ में सबसे अहम सवाल 'आपातकालीन निकास मार्ग' का है। विपक्ष ने भी ये सवाल उठाए हैं। वे गलत नहीं हैं। फंसे हुए मजदूर बाहर निकाले जा चुके हैं। 'चूहा खनिकों' को पुरस्कार के तौर पर 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा की जा चुकी है।

विपक्ष की राजनीति को एक तरफ रख भी दें, तो सुरंग की योजना से स्पष्ट हो जाता है कि ऐसे 3 निकास-मार्ग बनाए जाने थे, लेकिन कंपनी ने आज तक एक भी मार्ग और द्वार नहीं बनाया है। विशेषज्ञों ने भी निरीक्षण में अनदेखी बरती है, लिहाजा उनकी जिम्मेदारी भी तय की जाए। यह तथ्य भी उजागर हुआ है कि सुरंग परियोजना की डीपीआर और निर्माण-कार्य में गहरे अंतर हैं।

फिलहाल निर्माण कंपनियां और केंद्रीय सडक् परिवहन मंत्रालय आदि खामोश हैं। यदि सरकारी वेबसाइट पर निर्माण-योजना को पढ़ें, तो स्पष्ट होगा कि यह तय किया गया था कि सुरंग, बाहर निकलने का रास्ता और अप्रोच रोड 8 जुलाई, 2022 तक बन जाना था । इस परियोजना पर काम जुलाई, 2018 में शुरू किया गया था, लेकिन अभी तक करीब 56 प्रतिशत काम ही हो पाया है। उस पर मजदूरों के फंसने का हादसा हो गया। कुछ मजदूरों ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ संवाद के दौरान यह कहा है कि अब वे उस सुरंग में काम नहीं करेंगे। यदि वाकई ऐसा होता है, तो यह परियोजना लटक कर रह सकती है, क्योंकि मजदूरों की मनोस्थिति जंगल में आग की तरह फैलती है।

अगली डेडलाइन मई, 2024 तय की गई है, जब देश में लोकसभा चुनाव होंगे। हकीकत यह है कि सुरंग में बचाव का कोई भी रास्ता आज तक नहीं बनाया गया है। कंपनी की अपनी दलील है कि इसकी जरूरत नहीं है, क्योंकि दोनों लेन के बीच दीवार है। उसमें 'आपातकालीन निकास द्वार' का प्रावधान है। एक से दूसरी तरफ आया-जाया जा सकता है, लेकिन यह भी हकीकत सामने आई है कि सुरंग में कहीं भी निकास-द्वार अभी तक नहीं बनाया गया है। सुरंग के खोदे गए हिस्से में भी 'सुरक्षा-पाइप' नहीं डाले गए हैं।

इस परियोजना से जुड़े प्रबंधकों की सफाई है कि कमजोर स्थानों पर 'सुरक्षा-पाइप' का इस्तेमाल करने की योजना थी, लेकिन किसी को भी एहसास नहीं था कि ऐसा हादसा होगा।

खतरों और हादसों के भी एहसास होते हैं क्या? पर्यावरण संबंधी सरोकार सर्वोच्च अदालत ने भी जताए थे। आज भी ये चिंताएं अपनी जगह मौजूद हैं। निर्माण से जुड़ी 10 कंपनियों में से जिस 'नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड' को 853. 79 करोड़ रुपए का उप-ठेका दिया गया, उसके दामन पर हादसों और मौतों के दाग पहले से ही हैं। फिर भी यह ठेका दिया गया, लिहाजा यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है। हादसे की जांच समिति का नेतृत्व निदेशक, भूस्खलन शमन और प्रबंधन केंद्र, उत्तराखंड कर रहे हैं। समिति में किसी भी भू-विज्ञानी को नहीं रखा गया है। सिर्फ 6 इंजीनियर हैं और श्रमिक संघ या स्वतंत्र विशेषज्ञ भी नहीं हैं। जांच समिति भी सवालों में है। 'चूहा-खनिकों' के मेहनताने का मुद्दा भी उठा है। इससे जुड़े कानून कागजों पर तो हैं, लेकिन कोई भी नियामक या आयोग नहीं है।

सिल्वर स्क्रीनः फ़िल्मी कथानकों का सुपर हिट फार्मूला है बागी और बगावत

हेमंत पाल

राजनीति में बागियों और उनकी बगावत को बेहद हिकारत की नजर से देखा जाता है। समझा जाता है कि उन्होंने पार्टी के साथ दगा करके कोई अक्षम्य अपराध किया है। लेकिन, जब ये बागी अपने मकसद में कामयाब हो जाते हैं, तो उन्हें हाथों-हाथ लिया जाता है। राजनीति में भी ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं, जब नेताओं ने नाराज होकर बगावत की और उन्हें सफलता भी मिली। राजनीति ने जब अपना स्वरूप बदला तो ऐसा अकसर देखा गया .सत्ता पक्ष का ही कोई नेता अपनी ही पार्टी को सत्ता से बाहर करने के लिए बगावत कर देता है। कभी ऐसी बगावत कुचल दिया जाता है, तो कभी बागी अपनी कोशिश में सफल भी होते हैं। राजनीति में ऐसी बगावत बिना किसी खून-खराबे के सिर्फ संख्या बल पर चलती और फलती है। सत्ता हासिल करने के लिए तो बागी बनकर बगावत करना आम है। लेकिन, कभी किसी के दिल पर राज करने के लिए समाज या परिवार के खिलाफ भी बगावत की जाती है। यानी समाज में किसी न किसी रूप में बागियों की बगावत का खेल चलता रहता है, तो फिर फ़िल्में उससे अलग कैसे रहे! कुछ ऐसा ही कई फिल्मों के कथानकों में भी देखा गया। गुस्से में नायक कभी अपने परिवार से, कभी जमींदार के अत्याचार से और कभी व्यवस्था के खिलाफ बगावत करता है और फिल्म का अंत होते-होते अपनी बगावत को सही साबित कर देता है।

70 और 80 के दशक में जब डाकुओं की फिल्मों का बोलबाला था उन सभी का कथानक बगावत पर ही केंद्रित रहा। याद किया जाए तो धर्मेंद्र, विनोद खन्ना और अमिताभ बच्चन ने ऐसी कई फिल्मों में काम किया जिसमें बगावत के बाद वे बंदूक उठाकर जमींदार के दम्भ को चकनाचूर कर देते हैं। बिंदिया और बंदूक, पत्थर और पायल, कच्चे धागे, गंगा की सौगंध, पानसिंह तोमर, पुतलीबाई और सोन चिरैया जैसी दर्जनों फिल्मों में ऐसे ही कथानक थे। दरअसल, सिनेमाघरों के अंधेरे परदे पर भी बागी और बगावत का खेल तब से खेला जा रहा है, जब सिनेमा ने बोलना सीखा ही था। यूं तो सिनेमा में बगावत राज दरबार से जुड़े कथानकों वाली फिल्मों में भी दिखाई देती रही। लेकिन, जब परदे पर प्यार बिखेरने वाले नायक-नायिकाओं के प्रेम के रास्ते पर समाज कांटे बिखेर देता है, तब यही नायक या नायिका बगावत पर आमादा हो जाते हैं। क्योंकि प्यार और जंग में सब कुछ जायज है। कम आश्चर्य की बात नहीं कि हर दूसरी फिल्म में बागी और बगावत का कथानक होने के बावजूद फिल्मों के नाम या गीतों में बागी या बगावत जैसे नाम कम ही दिखाई दिए। 'बगावत' नाम से तो एक ही फिल्म बनी, जबकि 'बागी' शीर्षक का फिल्मों में कई बार उपयोग किया गया। यहां तक कि 'बागी' के आगे नंबर लगाकर उसे कई बार भी बनाया गया। लेकिन, ऐसा कोई गीत याद नहीं आता जिसमें 'बागी' या 'बगावत' शब्द का उपयोग किया गया हो।

'बागी' शीर्षक से पहली फिल्म 1953 में प्रदर्शित हुई, जिसमें तलवारबाज नायक रंजन के साथ सायरा बानो की मां नसीम बानो नायिका थी। इसके खलनायक थे प्राण जो अपने ही राज्य के राजा के खिलाफ बगावत करके गद्दी हथिया लेते हैं। तब एक बागी खड़ा होता है, जो राज गद्दी के साथ राजकुमारी को भी हासिल कर लेता है। 'बागी' के कलाकारों में मुकरी, अनवर हुसैन, शम्मी और बीएम व्यास थे। फिल्म का एक गीत 'हमारे बाद दुनिया में हमारे अफसाने जवां होंगे, बहारें हम को ढूंढेंगी मगर हम जाने कहां होंगे' बहुत लोकप्रिय हुआ था। इसके पांच साल बार रंजन एक बार फिर बागी बने और मधुबाला के साथ उनकी फिल्म 'बागी सिपाही' आई, जिसे फेंटेसी बनाने में माहिर भगवान दास वर्मा ने बनाया था। फिल्म में चंद्रशेखर और भी निशी दिखाई दिए थे। यह फिल्म रोम के प्रसिद्ध शासक नीरो की कहानी पर आधारित थी।

ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों में जो बगावत दिखाई जाती थी, उसमें ज्यादातर फिल्में ऐसी थी जिसमें क्रूर सेनापति सीधे-साधे राजा के खिलाफ बगावत करके उसे जेल में डाल देता था। ऐसे दगाबाज सेनापतियों के किरदार जीवन, अनवर हुसैन, हीरालाल, तिवारी और बीएम व्यास जैसे कलाकारों ने बखूबी निभाए। बाद में प्राण और प्रेम चोपड़ा ने भी कभी राजगद्दी और कभी राजकुमारी को पाने के खातिर ऐसी भूमिकाएं की। 1964 में एक बार फिर सिनेमा के परदे पर बागी के दर्शन हुए। इस फिल्म में क्रूर सेनापति जीवन के रथ के नीचे एक बच्चा कुचल जाता है। उसके पिता

सेनापति के बेटे का अपहरण करके उसे बाप के विरूद्ध बागी बना देते हैं। यह बागी होता है प्रदीप कुमार जो राजकुमारी विद्या चौधरी से प्रेम करते हुए बगावत करता रहता है। फिल्म में मुमताज की भी भूमिका थी। इसका निर्देशन रामदयाल ने किया था। लेकिन, परदे पर यह फिल्म कुछ ख़ास कमाल नहीं कर पायी। इसके कई साल तक 'बागी' नाम ही सुनाई नहीं दिया। लेकिन, किशोर कुमार, कुमकुम, अनवर हुसैन, श्याम कुमार, बीएम व्यास अभिनीत 'बागी शहजादा' परदे पर आयी, जिसमें बगावत से ज्यादा कामेडी का अंदाज था। लिहाजा यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर ढीली ही रही।

इसके बाद 'बागी शहजादी' नाम से से भी 1965 में प्रदर्शित हुई जिसमें हेलन, चित्रा और जयराज की प्रमुख भूमिका थी। यह फिल्म फ्रंट बेंचर्स के लिए बनी थी। लिहाजा कब आई और कब चली गई कुछ पता नहीं चला। 1993 में 'बागी सुल्ताना' नाम से फिल्म आयी और 1975 में शिवाजी गणेशन और जयललिता अभिनीत 'बागी लुटेरा' आई तो, पर दर्शकों का दिल नहीं लूट पाई। इसके अलावा प्यार में बागी बनना भी कोई नई बात नहीं थी। बस अंदाज बदला सा होता है। साठ के दशक में प्यार में बगावत पर आधारित सबसे महंगी और भव्य फिल्म 'मुगले आजम' आयी तो लगा पूरा देश ही मोहब्बत के नाम पर बगावत कर देगा। फिल्म का एक संवाद काफी चर्चित हुआ था 'यदि प्यार करना बगावत है, तो समझ लीजिए कि सलीम बागी हो गया!' इस संवाद पर दर्शकों ने खूब तालियां पीटकर इस बगावत को परवान चढ़ाया था। अस्सी और नब्बे के दशक में जब फेंटेसी फिल्मों की चमक फीकी पड़ने लगी तो परदे पर प्रेम के रंग चमकने लगे। राज कपूर की फिल्म 'बॉबी' में भी प्यार में बगावत करने वाले दो युवा प्रेमियों की कहानी को दर्शकों ने सिर आंखों पर बिठाया, तो कमल हासन और रति अग्निहोत्री की फिल्म 'एक दूजे के लिए' में बागी प्रेमियों के दुखद अंत ने दर्शकों की आंख गीली कर दी थी।

वैसे तो देश की आजादी के लिए भी देश भक्तों ने भी आजादी के लिए बगावत की, जिसे क्रांति नाम दिया गया। यहां बागी और बगावत के बजाए 'क्रांति' और 'क्रांतिवीर' जैसे शीर्षको वाली फिल्में आई। बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों का कारोबार करने वाली फिल्म 'आरआरआर' की कहानी भी विद्रोह पर आधारित है। यह काल्पनिक कहानी है, जो भारत के स्वतंत्रता सेनानियों अल्लूरी सीताराम राजू और कोमाराम भीम के इर्द-गिर्द घूमती है। जिन्होंने ब्रिटिश राज और निजाम हैदराबाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। चंबल के बीहड़ों में पनपे डाकुओं के लिए दस्यु के बजाए बागी शब्द ज्यादा पसंद किया जाता था। जब कोई व्यक्ति अत्याचारों से तंग आकर बदला लेने के लिए बीहड़ की शरण लेता था, तो कहा जाता था कि वह बागी हो गया। पानसिंह तोम ,बैंडिट क्वीन और पुतली बाई ऐसे ही बागियों के जीवन पर आधारित फिल्में थी, जिनमें बागी शब्द नदारद था। 90 के दशक में सलमान खान ने एक बार फिर 'बागी' शीर्षक को परदे पर साकार कर दर्शकों को अपनी तरफ आकर्षित किया। इस फिल्म में उनके साथ नगमा पहली बार पर्दे पर नजर दिखाई दी थी। इस बगावत में किरण कुमार और मोहनीश बहल ने साथ दिया था। इसके बाद तो टायगर श्राफ ने 'बागी' शीर्षक पर कब्जा ही कर लिया। टायगर श्राफ और श्रृद्धा कपूर ने एक के बाद एक बागी शीर्षक से फिल्में देना आरंभ किया। 'बागी' से लेकर बागी-4 तक यह सिलसिला कायम है।

बागी और बगावत दो ऐसे शब्द हैं जिनका अर्थ प्रायः किसी स्थापित व्यवस्था के खिलाफ आवाज या कदम उठाकर उसका विरोध करने से जुड़ा होता है। इस तरह के विरोध को अकसर बगावत कहा जाता है और बगावत करने वालों को 'बागी' नाम दिया जाता है। जबकि, बागी और बगावत दोनों ही समाज से जुड़े हुए हैं। कई बार गलत काम का विरोध करके नई दिशा देने के लिए कोई बागी हो जाता है, तो कभी किसी राज्य या राजा के खिलाफ कोई एक नायक या प्रजा बगावत को आमदा हो जाती है। कभी कभी अच्छे राजा के खिलाफ कुटील मंत्री सेना को अपने पक्ष में कर बगावत कर सत्ता हासिल करने की कोशिश करता है। वास्तव में बगावत या बागी हमेशा गलत अर्थों में नहीं है। नकारात्मक मकसद के लिए की गई बगावत जरूर गलत मानी जा सकती है, पर आजादी के मकसद, गलत व्यवस्था के विरोध, मोहब्बत की खातिर और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाना तो गलत नहीं है। यही वजह है कि फिल्मों में बागी की बगावत को हमेशा सही संदर्भों में देखा गया! क्योंकि, फिल्म का नायक सही जो होता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

जिला निर्वाचन अधिकारी दुबे ने मतगणना व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को दिए निर्देश

औबेदुल्लागंज । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद दुबे ने विधानसभा निर्वाचन-2023 मतगणना स्थल शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज रायसेन पहुंचकर मतगणना हेतु की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। इसके उपरांत उन्होंने कंट्रोल रूम में आयोजित बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी, अपर कलेक्टर अभिषेक दुबे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में मतगणना प्रक्रिया की जानकारी दी गई

रतलाम ढ्ढ विधानसभा निर्वाचन 2023 के दृष्टिगत मतगणना के पूर्व जिला स्टैंडिंग कमेटी की बैठक कलेक्टर सभाकक्ष में संपन्न हुई। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर भास्कर लाक्षाकार तथा मास्टर ट्रेनर द्वारा बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतगणना प्रक्रिया की जानकारी दी गई । पुलिस अधीक्षक राहुल लोढ़ा भी उपस्थित थे । बैठक में मास्टर ट्रेनर सुरेश कटारिया तथा रियाज मंसूरी द्वारा मतगणना प्रक्रिया के विभिन्न बिंदुओं से अवगत कराया गया । विभिन्न प्रतिबंधात्मक आदेशों की जानकारी दी गई । इस दौरान निर्वाचन द्वारा घोषणा की समीक्षा करना, प्रारूप 13 क लिफाफा 13 ख, गणना टेबल पर अभिकर्ताओं की मौजूदगी, खारिज मत, ग्रीन पेपर, सील, मतपत्र, लेखा मत पत्र, मिलान इत्यादि की जानकारी दी गई। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को काउंटिंग हाल के लेआउट से भी अवगत कराया गया ।

कलेक्टर ने मतगणना स्थल का निरीक्षण कियाः विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत स्थानीय शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय परिसर में बनाए गए मतगणना स्थल का निरीक्षण कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भास्कर लाक्षाकार द्वारा किया गया ढ्ढ इस दौरान विभिन्न आधिकारी उपस्थित थे । जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मीडिया सेंटर के अलावा मतगणना हाल, कंप्यूटर कक्ष, ऑब्जर्वर रूम इत्यादि के निरीक्षण किए गए। अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिए

कमिश्नर और आईजी ने मतगणना स्थल का निरीक्षण किया

छतरपुर। कमिश्नर वीरेन्द्र सिंह रावत और आईजी प्रमोद कुमार वर्मा ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी.आर. एवं पुलिस अधीक्षक अमित सांघी के साथ शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्र. 01 स्थित मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी नमः शिवाय अरजरिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने विधानसभा चुनाव 2023 के अंतर्गत 3 दिसम्बर को होने वाली मतगणना की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। जिले में मतगणना 3 दिसम्बर को प्रातः 8 बजे से प्रारंभ होगी। जिले के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की मतगणना पृथक-पृथक हॉल में होगी। मतगणना के दौरान सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था रहेगी।

छतरपुर में 3 दिसम्बर को मतगणना क्षेत्र नो फ्लाइंग जोन घोषित

छतरपुर,।कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट छतरपुर संदीप जी.आर. ने विधानसभा निर्वाचन 2023 की 3 दिसम्बर को होनी वाली मतगणना के दृष्टिगत गृह मंत्रालय के नियम 16(ए)(ई) एवं दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत आदेश जारी कर 3 दिसम्बर को मतगणना स्थल शासकीय उत्कृष्ट मा. विद्यालय क्र. 01 एवं 02 जिला छतरपुर क्षेत्र में ड्रोन, पैराग्लाईडर एवं हॉट बैलून पर प्रतिबंध लगाया जाकर रेड जोन एवं नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है।

आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित के विरुद्ध विधि अनुसार कार्यवाही की जाएगी। सुरक्षात्मक दृष्टि से आदेश जारी किया गया। इस आदेश का प्रभाव सुरक्षा श्रेणी प्राप्त वीआईपी एवं नियमित फ्लाईट पर नहीं पड़ेगा।

मतगणना हेतु ईव्हीएम जारी करने प्रभारी अधिकारी एवं सहायक अधिकारी नियुक्त

दमोह विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत विधानसभा क्षेत्र 54-पथरिया, 55-दमोह, 56-जबेरा एवं 57-हटा (अजा) की मतगणना शासकीय पॉलीटेकनिक कॉलेज परिसर दमोह के स्ट्रांग रूम में 03 दिसम्बर 23 को ईव्हीएम जारी करने हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल ने कोषालय अधिकारी अभिषेक हजारी को प्रभारी अधिकारी एवं सहायक कोषालय अधिकारी राम कुमार अहिरवाल को सहायक अधिकारी नियुक्त किया है तथा जिला कोषालय के अधिकारी/कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अग्रवाल ने विधानसभा क्षेत्र 54-पथरिया के लिये पेंशन कार्यालय के सहायक पेंशन अधिकारी दीपक जैन को स्ट्रांग रूम प्रभारी तथा जिला कोषालय के सहायक ग्रेड-3 हरीश दुबे, सहायक ग्रेड-3 श्रीराम पटैल, सहायक ग्रेड-3 शुभम जैन एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मुकुल सिंह दांगी को नियुक्त किया है।

इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र 55-दमोह के लिये जिला कोषालय दमोह के सहायक कोषालय अधिकारी रामकुमार अहिरवार को स्ट्रांग रूम प्रभारी, सहायक ग्रेड-2 सत्यनारायण सेन, सहायक ग्रेड-3 मनीष सेन, सहायक ग्रेड-3 मुकेश शर्मा एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कृष्ण प्रताप, विधानसभा क्षेत्र 56-जबेरा के लिये मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कार्यालय दमोह के लेखाधिकारी महेन्द्र अहिरवार को स्ट्रांग रूम प्रभारी तथा जिला कोषालय के सहायक ग्रेड-2 संदीप गौड़, सहायक ग्रेड-3 कुंजीलाल पटैल, सहायक ग्रेड-3 दीपक व्यास एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मदन गोपाल तथा विधानसभा क्षेत्र 57-हटा के लिये पेंशन कार्यालय दमोह के सहायक पेंशन अधिकारी सौरभ सेलट को स्ट्रांग रूम प्रभारी तथा जिला कोषालय के उच्च श्रेणी लिपिक सुरेश साहू, सहायक ग्रेड-3 स्वप्निल राजपूत, सहायक ग्रेड-3 विनोद तिवारी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मुकेश गौड़ को नियुक्त किया गया है।

उन्होंने संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों से कहा है कि 03 दिसम्बर 2023 को प्रातः 06 बजे पॉलीटेक्निक कॉलेज परिसर दमोह स्थित स्ट्रांग रूम में उपस्थित होना सुनिश्चित किया जाये।

सीआरसी छतरपुर में आज विश्व दिव्यांग दिवस के साथ विश्व एड्स दिवस भी मनाया गया

छतरपुर। आज समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी)छतरपुर में विश्व दिव्यांग दिवस के उपलक्ष में एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लगभग 40 से अधिक दिव्यांग बच्चों ने भाग लिया कार्यक्रम में रंगोली, पेंटिंग, चेयर रेस, संगीत आदि प्रतियोगिताएं की गई, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री देवेंद्र अग्रवाल वरिष्ठ समाजसेवी छतरपुर , श्री राजीव सिंह उप-संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग छतरपुर, डॉ. एसके पटेल सहायक संचालक कृषि विभाग छतरपुर, डॉ राजमणि पाल डायरेक्टर सीआरसी कार्यालय छतरपुर, सत्रुघन सिंह एपीसी शिक्षा विभाग छतरपुर ,संदीप गुप्ता, राजेश अहिरवार,संतोष गंगेले समाजसेवी आदि लोग उपस्थित रहे कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलित कर की गई और सभी अतिथियों का दिव्यांग बच्चो ने पुष्प गुच्छ से स्वागत किया इसके बाद डॉ.राजमणि पाल ने स्वागत उद्बोधन के साथ सीआरसी की विस्तृत जानकारी दी तथा सभी से कहा की की सीआरसी के माध्यम से दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार) की विभिन्न योजनाएं है उनसे जोडने का पूरा प्रयास सीआरसी कर रहा है,यह सेंटर छतरपुर जिला ही नही पूरे बुंदेलखंड के दिव्यांगजनों को लाभ देगा इसलिए सभी अधिकारियो और समाजसेवी एवं दिव्यांगजनों से भी अनुरोध करता हूं कि सीआरसी से अधिक से अधिक हितग्राही जुड़े

जिससे अधिक लोगो को सेंटर का लाभ मिल सके , सीआरसी छतरपुर अभी दिव्यांग बच्चो को थेरेपी,फिजियोथेरेपी, सैईकोलोजी एसेसमेंट, जनजागरूकता, उपकरण वितरण, जैसी विभिन्न सुविधाएं प्रतिदिन सेंटर पर संचालित की जा रही है इसके बाद राजीव सिंह ने सामाजिक न्याय विभाग की योजना से जोडने तथा दिव्यांगजनों के पेरेंट्स को भी मोटिवेट किया एव कृत्रिम उपकरण के उपयोग बताएं, इसके बाद मुख्य अतिथि देवेंद्र अग्रवाल ने दिव्यांगजनों को मुख्यधारा में लाने के लिए समाज को आगे आने का आग्रह किया और सीआरसी छतरपुर को अपने एवं शहर के प्रत्येक गणमान्य नागरिकों के द्वारा हर संभव मदद का भरोसा दिलाया, सभी का आभार श्रीकान्त गुप्ता प्रशासनिक अधिकारी सीआरसी छतरपुर ने किया , कार्यक्रम में निर्वाना फाउंडेशन छतरपुर, प्रगति शील विकलांग संसार छतरपुर, ष्2ह्यठ्ठ छात्रावास छतरपुर के बच्चे व स्टाफ उपस्थित रहे ,प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चो को अतिथियों ने पुरुस्कार वितरण कर सम्मानित किया, आरआरसी सेंटर के प्रभारी विनीत सिंह व डीडीआरसी के प्रभारी सर्वेश पटेल ने संचालित योजनों की जानकारी दी तथा आज एड्स दिवस के अवसर पर एक मानव श्रंखला बनाई गई और एड्स बीमारी से बचने के लिए सीआरसी के फिजियोथेरपिश प्रतीक बिदूआ और राजबहादुर पटेल ने बीमारी से बचने के सुझाव दिए और जागरूकता का संदेश दिया कार्यक्रम का संचालन मुकेश कुमार पटेल, प्रीति यादव ने किया तथा रंगोली, पेंटिंग, चेयर रेस प्रतियोगिता आदि में प्रीति यादव, अकांक्षा पटेल,शंकर वरले, लक्ष्मी रैकवार, शनि तिवारी, देवेंद्र पटेल, सर्वेश कुमार,भानू , अरविंद्र, बकालत खान आदि ने सहयोग किया !

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर की गई विविध जागरूकता गतिविधियां निकाली रेली

दमोह विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एच.आई.व्ही. (एड्स) रोकथाम के संबंध में सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से जिला चिकित्सालय परिसर से जागरूकता रैली को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस अवसर पर एक कार्यशाला भी आयोजित की गई। इस दौरान विशेष रूप से जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया एवं जिला एड्स नोडल अधिकारी डॉ.गौरव जैन मौजूद रहे।

जागरूकता रैली जिला चिकित्सालय परिसर से घंटाघर, बस स्टेण्ड होकर कीर्ति स्तम्भ से मानव श्रृंखला के रूप में तब्दील हुई। रैली में महाविद्यालयों के प्रतिनिधि बतौर व्याख्याता एवं छात्र.छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ एचआईव्ही (एड्स) से बचाव संबंधी संदेश आमजनों को तख्तियो के माध्यम से दिया। सुरक्षित व्यवहार अपनाने संबंधी नारे भी गुंजायमान होते रहें। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शासकीय कमला नेहरू कॉलेज, ओजस्विनी कॉलेज, सी.आई.सी.एम. कॉलेज के छात्र-छात्राएँ शामिल रही।

व्यक्ति लम्बी जिंदगी जी सकता है

विश्व एड्स दिवस के मौके पर जिला क्षय केन्द्र सभाकक्ष में एचआईव्ही (एड्स) से बचाव हेतु सामुदायिक सहभागिता बढाने की थीम पर आयोजित कार्यशाला में डॉ. जेम्स बेक ने कहा कि एचआईव्ही एक लाईलाज बीमारी है, लेकिन अब ऐसी दवाई आ गई है कि इस बीमारी के साथ भी व्यक्ति लंबी जिदंगी जी सकता है। जरूरत है संयमित दिनचर्या, पौष्टिक भोजन, नियमित रूप से दवाईयों का सेवन करने की। उन्होंने कहा एचआईव्ही (एड्स) से पीड़ित कोई भी व्यक्ति विभागीय टोल फ्री नंबर.1097 से जानकारी प्राप्त कर आवश्यक परामर्श भी ले सकता है। एचआईव्ही की जांच हेतु जिला चिकित्सालय एवं सिविल अस्पताल हटा में संचालित आई.सी.टी.सी. केन्द्रों में एचआईव्ही की जांच कराने की सुविधा निशुल्क है। कार्यशाला में मौजूद नर्सिंग छात्र-छात्राओ को जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया द्वारा बताया गया कि एचआईव्ही संक्रमित मरीज के साथ भेदभाव, लांछन करने पर 03 माह से 02 वर्ष तक कारावास एवं एक लाख रूपये का जुर्माना अथवा दोनो का प्रावधान है।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर निकाली गई एड्स जागरूकता रैली

धार। जिला न्यायाधीश सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमेश सोनी ने विश्व एड्स दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिला एड्स नियंत्रण समिति द्वारा आयोजित एड्स जागरूकता रैली को जिला चिकित्सालय से हरी झंडी दिखाई। रैली प्रातः जिला चिकित्सालय से प्रांरभ होकर, कुम्हार गड्डा, बस स?टैंड, मोहन टॉकिज चौराहा होते हुए लालबाग पर समाप्त हुई। रैली में मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन, एएनएम ट्रेनिंग सेंटर के स्टॉफ, जिला क्षय केंद्र एवं एड्स नियंत्रण समिति, संजीवनी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं धार कॉलेज ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों ने हाथ में बैनर-पोस्टर, तख्तीयां लेकर जागरूकता का संदेश दिया। जिला एड्स नोडल अधिकारी डॉ. संजय जोशी ने बताया 15 दिसंबर तक संपूर्ण जिले में एड्स के प्रति जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रम एवं कार्यशालाएं भी आयोजित होगी। इसके अतिरिक्त घाटाबिल्लौद में ब्लड डोनेशन कैंप का भी आयोजन किया गया।

खेलकूद प्रतियोगिता में दिव्यांग छात्र छात्राओं ने दिखाया हुनर

नौगांव। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर जनपद शिक्षा केंद्र नौगांव में विकास खंड स्तरीय दिव्यांग छात्र छात्राओं की खेल कूद एवम् सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमे विकास खंड अंतर्गत शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले दिव्यांग छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

बी ए सी अनुपम त्रिपाठी ने बताया कि इस प्रतियोगिता का शुभारंभ बीआरसीसी अनुराग खरे ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। एम आर सी श्रीमती शकीला खान के द्वारा दिव्यांग छात्रों की रंगोली, चित्रकला, लूडो, कैरम, चेयर रेस,गायन आदि प्रतियोगिताएं आयोजित कराई गई।जिसमे एम आर सी योगेंद्र श्रीवास्तव, शिक्षिका श्रीमती कमलेश राजा ने सहयोग प्रदान किया।उक्त प्रतियोगिताओं में दिव्यांग छात्र छात्राओं ने अपना हुनर दिखाया।विजेता छात्रों के साथ ही सभी प्रतिभागी छात्र छात्राओं को स्कूल बैग प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।उक्त प्रतियोगिता के विजेता छात्र छात्राएं जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता करेंगे। आयोजन में बीएसी दिनेश तिवारी,सीएसी अनंत चतुर्वेदी,मुन्ना लाल राय, वेद प्रकाश पटेरिया,राजेश गुबरेले,लवकुश त्रिपाठी,कैलाश अहिरवार आदि ने सहयोग प्रदान किया।

मतगणना कक्ष में सीसीटीवी से होगी निगरानी, स्ट्रांग रूम से ईवीएम निकालने की भी होगी रिकार्डिंग

मतगणना से पहले पुलिस-प्रशासन की तैयारियां पूरी, 3 दिसंबर को होना है पॉलीटेक्निल कॉलेज में मतगणना

धार। जिले में 17 नवंबर को मतदान के नतीजों की घोषणा 3 दिसंबर को होना है। मतगणना का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। हर कोई बेस्बबी से मतगणना के परिणामों का इंतजार कर रहा है। एग्जिट पोल में जो संभावना बताई गई है, उसके बाद उत?सुकता ओर बढ़ गई है। कड़ी टक?कर के मुकाबलों की स्थिति है। अब 3 दिसंबर को जब ईवीएम से नतीजे सामने आएंगे, उसके बाद ही जीत-हार के आंकलन पर विराम लगेगा। मतगणना के लिए तैयारियां पूरी हो चुकी है। पुलिस और प्रशासन ने अपने-अपने स?तर पर इंतजाम किए है। मतगणना स?थल पर प्रवेश से लेकर बाहर जाने और पार्किंग के लिए व?यवस?था की गई है। साथ ही मतगणना स?थल पर मोबाइल सहित हर तरह के उपकरणों पर प्रतिबंध रखा गया है। वहीं मतगणना कक्ष में सीसीटीवी की भी व?यवस?था की है। स?ट्रांग रूम से जब ईवीएम को निकाला जाएगा, तब भी सारी प्रक्रिया सीसीटीवी में रिकार्ड होगी।

मतगणना की तैयारियों की विस?तृत जानकारी शुक्रवार को उप जिला निर्वाचन अधिकारी व एडीएम अश्विरी कुमार रावत ने प्रेसवार्ता के दौरान दी। उन?होंने बताया कि मतगणना की शुरूआत सुबह 8 बजे से होगी। इसलिए सभी मतगणनाकर्मियों को 7.30 बजे अनिवार्य रूप से मतगणना स?थल पर पहुंचना होगा। साथ ही अभ?यर्थी और उनके द्वारा नियुक?त काउंटिंग एजेंट को भी इसी समय पर पहुंचने की अनिवार्यता रखी गई है। ताकि किसी तरह की असुविधा से बचा जा सके। प्रत?येक विधानसभा के लिए बूथवार राउंड अनुसार गिनती होगी। न?यूनतम 17 राउंड और अधिकतम 20 राउंड में नतीजे आने की संभावना है।

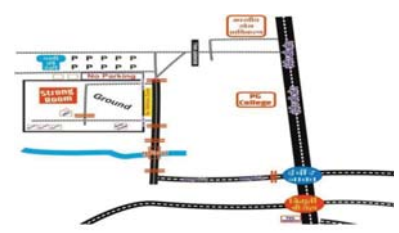

कानून व?यवस?था को लेकर एएसपी डॉ. इंद्रजीत बाकलवार ने बताया मतगणना स?थल को लेकर डायवर्शन भी रहेंगे। हैवी ट्रैफिक को इंदौर नाका, गुलाब चक?कर, भक?तांबर और रतलाम नाका से ही डायवर्ट कर लिया जाएगा। इंदौर नाका से मतगणना स?थल तक सिर्फ कर्मचारियों और मतगणना में शामिल लोगों को प्रवेश मिलेगा। पीजी कॉलेज के समीप से अभ?यर्थी और अन?य लोग इंट्री कर सकेंगे। यहां पर पार्किंग की भी व?यवस?था रहेगी। सुरक्षा के लिए पूरे कैंपस में 350 से 400 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। जबकि मतगणना स?थल पर स?ट्रांग रूम की सुरक्षा एसएफ देख रही है।

कैमरों से होगी निगरानी

मतगणना से लेकर ईवीएम को स?ट्रांग रूम से निकालने तक के लिए इस बार निगरानी की व?यवस?था की है। इसके लिए हर मतगणना कक्ष में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है। साथ ही जब ईवीएम को स?ट्रांग रूम से निकाला जाएगा, तब अभ?यर्थी समेत अन?य लोग डिस?पले पर इस प्रक्रिया का लाइव टेलीकास?ट देख सकेंगे। इसके लिए पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है। एडीएम रावत ने बताया कि हर कक्ष में 5-5 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है। साथ ही स?ट्रांग रूम के बाहर भी कैमरे लगाए है।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में केवल ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया गया

औबेदुल्लागंज ।. प्रातः सात बजे अभिषेक,शांतिधारा, नृत्यमय पूजन का कार्यक्रम हुआ।मुनि श्री 108 संस्कार सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 विश्व सूर्य सागर महाराज के सानिध्य में भगवान श्री का इक्षु रस से आहार देने का सौभाग्य श्रावकों को मिला दोपहर में मुनि श्री के सानिध्य में प्राण प्रतिष्ठा ,सुरिमंत्र, केवल ज्ञान , समोसारण की रचना व ज्ञान कल्याणक पूजन विधि-विधान पूर्वक प्रतिष्ठाचार्य शोभित भईया जी के सानिध्य में बहुत ही भक्ति भाव व धूमधाम से किया गया।समाज के राजीव जैन एवं वैभव जैन ने जानकारी देते हुए बताया की शुक्रवार को बाड़ी जैन समाज के सदस्य एबं महिला मंडल के पद अधिकारी ओबेदुल्लागंज में चल रहे पंचकल्याणक महोत्सव में भगवान की आहार चर्या महोत्सव में सम्मलित हुए।इस अवसर पर द्रव्य सामग्री सामूहिक रूप से मंच पर ले जाकर पूज्य महाराज श्री आशिर्वाद प्राप्त किया एबं पूज्य मुनिराज को बाड़ी पधारने के लिए आग्रह किया।

परम पूज्य मुनि श्री ने केवल ज्ञान की महत्व को बताया और आज के दिन को विशेष दिन कहा। मुनि श्री ने कहा कि भगवान आदिनाथ को भी अपने जीवन की स्मृतियां के कारण केवलज्ञान प्राप्त करने में 1000 वर्ष लगे।उन्हें वर्षो तक तप करना पड़ा जबकि उन्हीं के पुत्र भगवान भरत चक्रवर्ती को मात्र अंतर मुहूर्त में केवलज्ञान प्राप्त हो गया क्योंकि उनकी स्मृतियां कम थी।हम जितने कर्म बांधते है उनके अच्छे बुरे फलो को जब तक भोग ना ले हमें इस संसार से मुक्ति नहीं मिलती इसलिए हमें धर्म करना चाहिए जिससे कर्मो का छय हो।संध्या में महाआरती करने का शौभाग्य पर्वशांति परिवार संतोष कल्पना जैन, बसंत रितु जैन, अनुराग नीति जैन, सुबोध साधना जैन ज्योतिकुमार वर्षा जैन परिवार को प्राप्त हुआ।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण भोपाल
आम सूचना
क्रमांक 2752/राजस्व/भोविप्रा./23 भोपाल दि. 1/12/23
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि भोपाल विकास प्राधिकरण की काजी बज्दुल हुसैनी नयापुरा लालघाटी योजना स्थित एम.आई.जी. डुप्लेक्स भवन क्रं.- 2/2, आवंटी श्री बी. व्ही. धीरिया आत्मज श्री वासुदेव धीरिया के नाम पर आवंटित हैं। आवंटी श्री बी. व्ही. धीरिया का स्वर्गवास दिनांक 17.08.2019 को हो जाने के कारण उनके वारिसों में उनकी पत्नी श्रीमती शानू धीरिया एवं पुत्र श्री देवांश धीरिया ने आवेदन पत्र के साथ मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र एवं आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न कर भवन का मृत्यु उपरान्त नामान्तरण संयुक्त नामों पर चाहा है। उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित करने के दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित रूप में साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय को आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।
राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

भोपाल विकास प्राधिकरण भोपाल
आम-सूचना
क्रमांक 2730/राजस्व/भो.वि.प्रा/2023
भोपाल दिनांक 01/12/2023
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की ग्रीन पार्क कालोनी जमालपुरा योजना में स्थित भूखण्ड क्र. –180 सेक्टर–बी, वर्तमान में श्री कुंदललाल परियानी आ. स्व. श्री दासोमल परियानी के नाम पर अंकित है। आवंटी श्री कुंदललाल परियानी का स्वर्गवास दिनांक 31/10/2015 को हो जाने के कारण श्रीमती गोदावरी देवी पत्नि स्व. श्री कुंदललाल परियानी, श्रीमती रजनी ललवानी, श्री मुकेश परियानी, श्रीमती जया राजानी, श्री अशोक परियानी पुत्र एवं पुत्री स्व. श्री कुंदललाल परियानी अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र के साथ मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड का संयुक्त नाम पर नामांतरण चाहा गया है। यदि उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा
राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण भोपाल।

भोपाल विकास प्राधिकरण भोपाल
आम-सूचना
क्रमांक 2731/राजस्व/भो.वि.प्रा/2023
भोपाल दिनांक 01/12/2023
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की स्वयं वित्तीय योजना में स्थित भूखण्ड क्र.–19–ए, सेक्टर–डी, कोहेफिजा वर्तमान में श्रीमती कुंदन बाई पत्नि स्व. श्री हीरालाल जैन एवं श्रीमती हेमलता बाई पत्नि श्री सुगन्धी लाल जैन के संयुक्त नाम पर अंकित है। संयुक्त आवंटी में से श्रीमती कंचन बाई जैन ने अपने हिस्से का मुख्तारआम श्री रोहित जैन आ. श्री सुगन्धी लाल जैन को नियुक्त किया है मुख्तारआम श्री रोहित जैन ने प्राधिकरण की बिना अनुमति के उक्त भूखण्ड को श्री अकबर खान आ. श्री निसार अहमद खान को दिनांक 07/11/2023 को उप पंजीयक कार्यालय से पंजीकृत कराकर विक्रय कर दिया गया है। अब विक्रय पत्र के आधार पर श्री अकबर खान ने विक्रय पत्र की रजिस्ट्री की छायाप्रति संलग्न कर उक्त भूखण्ड अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है यदि उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।
राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण भोपाल।

कार्यालय संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश
जिला कार्यालय भोपाल (म. प्र.)
क्रमांक BPLLP16112332563/दिनांक: 01/DEC/2023
क्र./1270 दिनांक 01/DEC/2023
म.प्र. नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 29 (3) सहपठित म.प्र. भूमि विकास नियम, 2012 के नियम 14 (3) के अधीन दी गई अनुज्ञा में उपांतरण की दशा में आपत्तियाँ आमंत्रित करने हेतु
जनसामान्य की जानकारी हेतु एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता हैं कि श्री / श्रीमती / मेसर्स - 1. SMT MAYA SAOJI, 2. SMT SANGEETA MAHAJAN, 3. SMT LAXMIBAI, 4. SHRI GIRISH SAOJI, 5. SMT. ANAGHA SAOJI, 6. SHRI KRISHAN SAOJI, DEVELOPED BY: LAKSHMI PROPERTIES द्वारा नीचे दिये गये अभिन्यास में उपांतरण हेतु आवेदन किया है:-
(क) परियोजना का नाम:- LAKSHMI PARISAR
(ख) अवस्थिति (अवस्थिति/ ग्राम का नाम एवं खसरा क्रमांक)- पूर्व स्वीकृत ग्राम Bawadiya Kalan तहसील Kolar व जिला Bhopal की भूमि सर्वे क्रमांक / खसरा क्रमांक 60/2/2, 60/2/3, 60/2/4, 61/1, 61/2, 61/3, 61/4, 61/5, 61/6, 61/7, 61/8, 61/9 कुल रकबा 1.617 हेक्टेयर भूमि पर RESIDENTIAL, PLOTTED HOUSING विकास हेतु अनुमोदित अभिन्यास में संशोधित अभिन्यास का अनुमोदन चाहा गया है।
(ग) विकास का प्रयोजन- RESIDENTIAL, PLOTTED HOUSING
(घ) स्वीकृति क्रमांक 00 दिनांक 2002-02-26
पूर्व स्वीकृत अभिन्यास में यदि उपांतरण किया जाता हैं, तो उससे परियोजना से जुड़े व्यक्ति/संस्था के हित प्रभावित होने की संभावना है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति,उपांतरणों से संबंधित अपनी आपत्ति या सुझाव, इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में अथवा https:// dtcp.mp.gov.in/ alpass/web/ Objection.aspx? RefApp=97Mma1G5UI पर प्रस्तुत कर सकेगा। पूर्व स्वीकृत अभिन्यास के ब्यौरे तथा प्रस्तावित उपांतरित अभिन्यास का निरीक्षण हितबद्ध व्यक्ति द्वारा, उपरोक्त कार्यालय में कार्यालयीन समय के दौरान अथवा website https://dtcp.mp.gov.in/alpass/Web/uLogin.aspx पर किया जा सकता है।
संयुक्त संचालक
नगर तथा ग्राम निवेश जिला भोपाल (म.प्र.)

बिड़ला सेलूलोज़ ने अपनी प्रतिबद्धता के लिए की कैनोपी की हॉट बटन रिपोर्ट 2023 में नंबर एक रैंकिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। पर्यावरण पर केंद्रित गैर-लाभकारी संस्था कैनोपी ने अपनी एनुअल हॉट बटन रिपोर्ट जारी की है, जो फैशन ब्रांडों और खुदरा विक्रेताओं को वन फाइबर सोर्सिंग के लिए मैन मेड सेल्युलोसिक फाइबर (एमएमसीएफ) के सप्लायर की जानकारी प्रदान करती है। रैंकिंग पर टिप्पणी करते हुए, ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मेनेजिंग डायरेक्टर और बिड़ला सेलूलोज़ के बिजनेस डायरेक्टर श्री एच के अग्रवाल ने कहा, यह पुरुस्कार सस्टेनेबल वुड सौर्सिंग प्रैक्टिस, फ़ॉरेस्ट कंसर्वेशन, इनोवेशन, अगली पीढ़ी के फाइबर सॉल्यूशन और पूरी वैल्यू चैन में पारदर्शी संचालन में सुधार के लिए बिड़ला सेलूलोज़ के दृढ़ समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए काम कर रही है। अन्य वैश्विक एमएमसीएफ उत्पादकों के साथ-साथ बिड़ला सेलूलोज़ ने भी 2030 तक कम से कम 30त्न टेरेस्टियल इकोसिस्टमके संरक्षण के लिए जैविक विविधता पर कन्वेंशन की प्रतिबद्धता के कार्यान्वयन के लिए किए जा रहे प्रयासों का समर्थन किया है। कंपनी सर्कुलरिटी को बढ़ाने के लिए ब्रांड्स और सप्लाई चेन पार्टनर्स, इनोवेटर्स और कैनोपी, फैशन फॉर गुड और सर्कुलर फैशन पार्टनरशिप जैसे ऑर्केस्ट्रेटर्स के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करती है।कैनोपी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर निकोल रायक्रॉफ्ट ने कहा, कैनोपी की 2023 हॉट बटन रिपोर्ट मंत शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए आदित्य बिड़ला को हार्दिक बधाई।हम एमएमसीएफ सप्लाई चैन से प्राचीन और लुप्तप्राय वनों को हटाने के लिए उनकी कड़ी मेहनत की सराहना करते हैं और अगली पीढ़ी के लिए फाइबर को बड़े पैमाने पर बाजार में लाने के लिए उनकी लगातार प्रगति से प्रोत्साहित हैं।

आईआईएफएल समस्ता बॉन्ड्स की मदद से 1,000 करोड़ रु. तक की पूंजी जुटाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी नॉन-बैंकिंग माईक्रोफाईनेंस कंपनियों में से एक, आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस सिक्योर्ड बॉन्ड्स के अपने पहले पब्लिक इश्यू की मदद से 1,000 करोड़ रु. तक की पूंजी जुटाएगा, जिसका उद्देश्य व्यावसायिक वृद्धि और पूंजी निर्माण के लिए किया जाएगा। ये बॉन्ड अत्यधिक सुरक्षा के साथ 10.50 प्रतिशत तक का रिटर्न प्रदान करेंगे। ये इश्यू सोमवार, 4 दिसंबर, 2023 से मिलना शुरू होंगे, और शुक्रवार, 15 दिसंबर, 2023 तक मिलेंगे। आईआईएफएल समस्ता आईआईएफएल फाईनेंस का अंग है, जो भारत के सबसे बड़े रिटेल केंद्रित एनबीएफसी समूहों में से एक है, जिसके पास 73,066 करोड़ रु. के लोन एस्सेट अंडर मैनेजमेंट हैं।आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस के एमडी एवं सीईओ, श्री वेंकटेश एन ने कहा, ''आईआईएफएल समस्ता अपनी 1,500 शाखाओं के द्वारा पूरे भारत में मजबूत स्थिति में मौजूद है। यह सेवाओं की कमी वाले और उनसे वंचित लोगों की क्रेडिट की जरूरतों को पूरा करता है, जो मुख्यतः अपने विस्तृत पोर्टफोलियो के साथ वंचित पृष्ठभूमि की महिला उद्यमियों पर केंद्रित है। इन बॉन्ड्स की मदद से एकत्रित किए गए फंड का उपयोग इन ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने और व्यावसायिक वृद्धि लाने के लिए किया जाएगा।''आईआईएफएल समस्ता फाईनेंस 200 करोड़ रु. के बॉन्ड्स जारी करेगा, और उसके पास 800 करोड़ रु. तक के ओवर-सब्सक्रिप्शन (कुल मिलाकर 1,000 करोड़ रु.) बनाए रखने के लिए ग्रीन-शू का विकल्प भी होगा। आईआईएफएल समस्ता बॉन्ड 60 महीने की अवधि के लिए 10.50 प्रतिशत प्रतिवर्ष की सर्वाधिक कूपन दर प्रदान करते हैं। ये एनसीडी 24 महीने, 36 महीने और 60 महीने की अवधि के लिए उपलब्ध हैं। ब्याज के भुगतान की फ्रीक्वेंसी हर सीरीज़ के लिए मासिक और वार्षिक आधार पर उपलब्ध होगी।इसकी क्रेडिट रेटिंग क्रिसिल रेटिंग्स लिमिटेड द्वारा क्रिसिल एए-/पॉज़िटिव और एक्विटी रेटिंग्स एंड रिसर्च लिमिटेड द्वारा एक्विटी एए। स्टेबल है, जिससे प्रदर्शित होता है कि ये इंस्ट्रूमेंट अत्यधिक सुरक्षित माने जाते हैं।

इंटेग्रा एसेंशिया लिमिटेड को 120 मिलियन रुपये के फ्रेश ऑर्डर्स प्राप्त हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। लाइफ एसेंशियल्स के व्यवसाय में संलग्न एक प्रोमिनेन्ट कंपनी इंटेग्रा एसेंशिया लिमिटेड ने एग्रो प्रोडक्ट्स और इंफ्रास्ट्रक्चरल मैटेरियल्स बिज़नेस डिवीजन्स से अपडेट की घोषणा की है। कंपनी को ईआरडब्ल्यू स्टील पाइप्स और एचआर कॉइल्स के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर मटेरियल डिवीज़न के साथ-साथ प्रीमियम ड्राई फ्रूट (काजू) के लिए कलेक्टिव्ली 120 मिलियन रुपये से अधिक का नया ऑर्डर मिला है। कंपनी कई प्रेस्टीजियस कस्टमर्स के साथ लॉन्ग-टर्म सहयोग पर काम कर रही है, जिसका लक्ष्य चालू वित्तीय वर्ष (वर्ष-दर-वर्ष आधार पर) के दौरान 15-20त्न की ओवरऑल ग्रोथ है और वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान टार्गेटेड रेवेन्यू नंबर्स प्राप्त करने या उससे भी अधिक होने की उम्मीद है। इंटेग्रा एसेंशिया लिमिटेड का लक्ष्य लाइफ एसेंशियल्स और लाइफ स्टाइल प्रोडक्ट्स तथा लाइफ एसेंशियल्स की वाइड वैरायटी की लगातार बढ़ती मांग में एम्बेडेड (अंतर्निहित) बिज़नेस पोटेंशियल का दोहन करने के लिए सिनर्जेटिक इंटीग्रेशन/अमैल्गमेशन (समामेलन) करना है, जो सोर्सिंग अप्रोच, प्रोड्यूसिंग और थोक और विशेष मटेरियल्स और सर्विसेस की विशाल श्रृंखला की मार्केटिंग के आधुनिक व्यावसायिक दृष्टिकोण पर आधारित है। इंटेग्रा एसेंशिया लिमिटेड एक कंपनी है जो लाइफ एसेंशियल्स यानी खाद्य (एग्रो प्रोडक्ट्स), कपड़े (टैक्सटाइल एंड गारमेंट्स), इंफ्रास्ट्रक्चर (कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर के डेवलपमेंट के लिए मटेरियल्स और सर्विसेस) और एनर्जी (रिन्यूएबल एनर्जी, इक्विपमेंट और प्रोजेक्ट्स के लिए मटेरियल्स, प्रोडक्ट्स और सर्विसेस) तथा मॉडर्न लाइफ को बनाए रखने के आवश्यक कई अन्य प्रोडक्ट्स और सर्विसेस के कारोबार में लगी हुई है। अपने उपलब्ध रिसोर्सेज़ की खोज और उपयोग करके सोसाइटी, नेशन और ग्लोबल रिक्वायरमेंट्स को सर्व करने के लिए कंपनी एंड यूजर्स को न्यूनतम लागत पर वितरित करने योग्य फूड एसेंशियल्स में महत्वपूर्ण निवेश कर रही है और खुद को खाद्य उद्योग में अग्रणी खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने पर केंद्रित है।

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की पब्लिक लेक्चर सीरीज़ के तहतप्रो. बद्री नारायण का व्याख्यान

भोपाल। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की 'पब्लिक लेक्चर सीरीज़' में प्रो. बद्री नारायण का व्याख्यान 5 दिसम्बर 2023 शाम 5 से 6 बजे से इपको (ई पी सी ओ)- ई-5पर्यावरण परिसर, अरेरा कॉलनी, भोपाल, मध्य प्रदेश में होगा। प्रो. बद्री नारायण प्रख्यात सामाजिक इतिहासकार व लेखक हैं औरगोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद के डायरेक्टर हैं। प्रो. बद्री नारायण 'Dissent, Co-option and Democracy: Multiple trajectories of the Empowerment' विषय पर व्याख्यान देंगे। वे अपने वक्तव्य में भारत में लोकतंत्र को मज़बूत करने की प्रक्रिया में असहमति की बदलती भूमिका और को-ऑप्शन के उभरते हुए रुझानों की पड़ताल करेंगे।प्रो. बद्री नारायण दो दशकों से अध्यापन कार्य कर रहेहैं। इस दौरान वे पॉपुलर कल्चर, सामाजिक तथा एंथ्रोपोलोजिकल इतिहास, दलित तथा सबाल्टर्न और सत्ता व संस्कृति से जुड़े मुद्दों पर शोध व लेखन करते रहे हैं। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल की स्थापना मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) द्वितीय संशोधन अधिनियम, 2022 के प्रावधानों के तहत की गई है।प्रायोजक निकाय अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन ने विश्वविद्यालय को पूरी तरह से लोकोपकारी और ग़ैर-लाभकारी संस्था के रूप में स्थापित किया है, जिसका स्पष्ट सामाजिक उद्देश्य एक न्यायसंगत, समतामूलक, मानवोचित और टिकाऊ समाज के निर्माण में योगदान देना है।

कभी ऑफिस ब्वॉय का करते थे काम, आज इंटीग्रेटेड फार्मिंग करके लाखों रुपये कमा रहे हैं

ज्ञानेश्वर बोडके ने अपनी मेहतन से बड़ी सफलता हासिल की है

नई दिल्ली, एजेंसी। जिंदगी में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे हासिल न किया जा सकता हो। अगर पूरी लगन से मेहनत की जाए तो सफलता जरूर मिलती है। जीवन में सफल होता है वही इंसान होता है जो संघर्ष से नहीं घबराता। कहते हैं जिसने कभी हार का मुंह देखा ही नहीं देखा वो सच्ची सफलता को कभी महसूस ही नहीं कर सकता। जीवन में आर्थिक परेशानियों का सामना कर रहे महाराष्ट् के पुणे निवासी ज्ञानेश्वर बोडके ने सफलता हासिल कर लोगों के सामने मिसाल पेश की है। कभी ऑफिस ब्वॉय के रूप में काम करने वाले ज्ञानेश्वर आज करोड़ों रुपये कमा रहे हैं। एक समय ऐसा भी था जब ज्ञानेश्वर को पैसों की तंगी के चलते पढ़ाई तक छोड़नी पड़ गई थी। आईए आपको बताते हैं कभी पैसों की कमी से परेशान ज्ञानेश्वर आज इतने अमीर कैसे हो गए। किस तरह उन्होंने जीवन में इतनी सफलता हासिल की।

तंगहाली में गुजरा बचपन- ज्ञानेश्वर बोडके का जन्म एक निम्न वर्गीय परिवार में हुआ था। उनका बचपन बहुत तंगहाली में गुजरा। ये वो समय था जब उनके पास बहुत थोड़ी सी जमीन हुआ करती थी। इसी से जैसे-तैसे उनके परिवार का गुजारा चलता था। ज्ञानेश्वर अपनी उम्र के बाकी बच्चों की तरह पढ़-लिखकर कुछ बनना चाहते थे। लेकिन उनके घर में कोई भी कमाने वाला नहीं था। इस कारण 10वीं के बाद उन्हें अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी गई थी।

ऑफिस ब्वॉय के रूप में किया काम- ज्ञानेश्वर बोडके पढ़ाई छोड़ने के बाद कुछ काम-धंधा ढूंढने लगे थे। इस बीच किसी परिचित की मदद से उन्हें पुणे में ऑफिस बॉय की नौकरी मिल गई। इस नौकरी से उनके घर-परिवार का खर्च निकलने लगा। लेकिन ज्ञानेश्वर बोडके इस काम से खुश नहीं थे उन्हें लग रहा था कि जितनी मेहनत वो कर रहे हैं, उतना उनको नहीं मिल रहा है।

ऑफिस ब्वाय के रूप में सुबह 6 से रात 11 बजे तक काम करते थे।

ऐसे बदली किस्मत- जब वह ऑफिस ब्वॉय के रूप में काम कर रहे थे तो एक दिन उन्होंने एक अखबार में एक किसान की सफलता की कहानी पढ़ी। किसान ने एक हजार वर्ग फुट क्षेत्र में पॉलीहाउस खेती की और 12 लाख रुपये महीने कमाई कर रहा था। इस खबर को पढ़ने के बाद ज्ञानेश्वर ने नौकरी छोड़ दी। वह पुणे पहुंचे और पॉलीहाउस खेती पर दो दिन का वर्कशॉप किया, लेकिन, यह सब उनके सिर के ऊपर से निकल गया। इसके बाद ज्ञानेश्वर ने अधिकारियों से बात की और कहा कि वे उनके साथ काम करना और सीखना चाहते हैं।

ट्रेनिंग लेने के बाद उन्होंने बैंक से लोन लिया और एक हजार स्क्वॉयर फीट में पॉलीहाउस शुरू कर दिया। साल 1999 में उन्होंने गुलनार (कार्नेशन) और गुलाब (रोज़) की खेती शुरू की। इस बीच जल्दी ही बड़े शहरों में उन्होंने भेजना करना शुरू कर दिया। उन्होंने अपने 10 लाख रुपये के लोन को एक साल में ही चुका दिया।

कमा रहे लाखों रुपये- अभी ज्ञानेश्वर देसी केले, संतरे, आम, देशी पपीते, स्वीट लाइम, अंजीर और कस्टर्ड सेब, सभी सीजनल और ऑफ सीजन सब्जियां उगा रहे हैं। इसके साथ ही अब उन्होंने दूध की सप्लाई करने का काम भी शुरू किया है। वे पैकेट्स में दूध भरकर लोगों के घर डिलिवरी करते हैं। इसके लिए ज्ञानेश्वर ने एक ऐप भी लॉन्च किया है। इसके माध्यम से लोग ऑर्डर करते हैं और उनके घर तक सामान पहुंच जाता है। ज्ञानेश्वर ने अभिनव फार्मिंग क्लब नाम से एक ग्रुप भी बनाया है इस ग्रुप का निर्माण उन्होंने गांव के कुछ किसानों के साथ मिलकर किया है। अभी इस ग्रुप से तीन सौ से ज्यादा किसान जुड़े हैं। इस ग्रुप से जुड़ा हर किसान 8 से 10 लाख रुपये सालाना कमाई कर रहा है।

सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स घटाया, 6300 प्रति टन से 5000 रुपए प्रति टन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स में बड़ी कटौती कर दी है। आज से क्रूड पेट्रोलियम ऑयल पर विंडफॉल टैक्स को घटाकर 5000 रुपए प्रति टन कर दिया गया है। इससे पिछले महीने यानी 30 नवंबर 2023 तक क्रूड पेट्रोलियम ऑयल पर विंडफॉल टैक्स 6300 रुपए पर था यानी आज 1300 रुपए प्रति टन की कटौती हुई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जेट ईंधन (एटीएफ) पर लेवी भी 1.11 लाख रुपए प्रति किलोलीटर से घटाकर 1.06 लाख रुपए प्रति किलोलीटर कर दी गई है।

नवंबर की पिछली समीक्षा बैठक में भी सरकार ने घटाया था विंडफॉल टैक्स - इससे पहले 16 नवंबर को केंद्र सरकार ने क्रूड पेट्रोलियम ऑयल पर विंडफॉल टैक्स को 9800 रुपए प्रति टन से घटाकर 6300 रुपए प्रति टन कर दिया था यानी पूरे 3500 रुपए प्रति टन की कटौती इसमें कर दी थी।

इससे पहले 31 अक्टूबर को बढ़ाया गया था विंडफॉल टैक्स- केंद्र सरकार ने 31 अक्टूबर को पेट्रोलियम क्रूड के एक्सपोर्ट पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स को 9050 रुपए प्रति टन से बढ़ाकर 9800 रुपए प्रति टन कर दिया था। आज एटीएफ की कीमतों में बदलाव देखा गया है और इस पर टैक्स की दरों में भी चेंज देखा गया है।

क्या है विंडफॉल टैक्स- केंद्र सरकार देश में कच्चे तेल के एक्सपोर्ट पर विंडफॉल टैक्स और निर्यात टैक्स की दरों को तय करती है और इसके लिए हर 15 दिनों में समीक्षा बैठक की जाती है। पिछले दो हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों के रुख को देखकर भारत सरकार देश में कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स की दरों में बदलाव करती है।

अपने ही फेंके जाल में फंस गया चीन, हांफती इकॉनमी के लिए गले की फांस बनी शी जिनपिंग की नीति?

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की लोन डिप्लोमेसी हमेशा से विवादों में रही है। छोटे देशों को पहले इंफ्रास्टक्चर के नाम पर लोन बांटना और फिर उसपर धौंस दिखाना चीन की पुरानी चाल रही है। चीन के सरकारी बैंक, जितना अपने यहां लोन नहीं बांटते, उससे ज्यादा कर्ज वो दूसरे देशों को दे रहे हैं। चीन की जिनपिंग सरकार की विदेश नीतियां कर्ज को लेकर विवादों में रही है, लेकिन ये ड्रैगन की दादागिरी ही है कि विवाद के बावजूद वो छोटे देशों को लोन के जाल में फंसाता रहा है । भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश भी चीन के कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। लेकिन अब चीन की लोन डिप्लोमेसी उसके लिए गले की फांस बनता जा रहा है। चीन ने जो लोन छोटे देशों को फंसाने के लिए बांटे अब वो फंस गया है। चीन ने जिन छोटे और गरीब देशों को लोन बांटे, उनमें से 80 फीसदी देश ऐसे हैं, जो लोन चुकाने की हालात में नहीं है। ऐसे में चीन का फंसा लोन उसके लिए मुसीबत बनता जा रहा है। सवाल यह है कि आखिर चीन इन पैसों की वसूली कैसे करेगा?

चीन की विवादित लोन डिप्लोमेसी?- चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है। सस्ते लेबर और आधुनिक तकनीक के दम पर यह दुनिया की फैक्ट्री बना बैठा है। चीन की आक्रमक विस्तार नीति अब उसके लिए मुसीबत बन गई है। चीन पहले इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के नाम पर छोटे और गरीब देशों को कर्ज देता है और फिर उस देश को एक तरह से कब्जा कर लेता है। चीन की यह डेट-ट्रैप डिप्लोमेसी अब उसके गले की फांस बन गई है। अपनी आक्रमक विस्तार नीतियों, अपनी महत्वकांक्षाओं के लिए चीन पानी की तरह पैसे का इस्तेमाल करता रहा है। चीन गरीब और छोटे देशों को सशर्त लोन बांटता रहा है। लोन के साथ ऐसी शर्तें होती हैं, जो उसे ही फायदा पहुंचाए। लोन के लिए दिए गए शर्तों में एक शर्त यह भी होता है कि अगर तय समय पर कर्ज वापस नहीं किया गया तो वो देश अपने कुछ अधिकार चीन को देगा। इसी शर्त के तहत चीन ने श्रीलंका से उसका हम्बनटोटा पोर्ट छीन लिया। सिर्फ श्रीलंका ही नहीं कई देश चीन की इस चाल का शिकार बन चुके हैं। इसी तरह से पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह के लिए भी चीन ने यही चाल चली। पाकिस्तान चीन का कर्ज नहीं लौटा सका, जिसके बाद ग्वादर पोर्ट को 40 साल के लिए चीन की कंपनी को लीज पर सौंप दिया गया। इस बंदरगाह से चीन तो फायदा हो रहा है।

अपने ही बिछाए जाल में फंस गया ड्रैगन- अमेरिका की रिसर्च एजेंसी एडडाटा की रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने जिस देशों को कर्ज दिया है, उनमें से 80 प्रतिशत देश आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। वो देश आर्थिक मुश्किलों में घिरे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक चीन के बांटे गए लोन में से बकाया कर्ज 1100 अरब डॉलर है। हालांकि रिपोर्ट में इस बात का खुलासा नहीं हुआ है कि आखिर कितने देशों ने लोन नहीं चुकाया है। चीन की ओर से बांटे गए लोन का बकाया भुगतान बढ़ता ही जा रहा है। चीन ने लोन के भुगतान में देरी पर ब्याज दर को 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 8.7 प्रतिशत कर दिया है।

टायर बनाने वाली इस दिग्गज कंपनी को बड़ा झटका! मिला 1.98 करोड़ रुपये का जीएसटी नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। टायर बनाने वाली एक दिग्गज कंपनी को जीएसटी प्राधिकरण से नोटिस मिला है। इस नोटिस से कंपनी को बड़ा झटका लगा है। कंपनी के शेयर औंधे मुंह गिरे हैं। आज कंपनी के शेयर बाजार में लाल निशान पर बंद हुए हैं। यह टायर बनाने वाली कंपनी सीएटी है। कंपनी को माल एवं सेवा कर विभाग से 1.98 करोड़ रुपये का नोटिस मिला है। टायर बनाने वाली कंपनी सिएट लिमिटेड को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग से 1.98 करोड़ रुपये का नोटिस मिला है। इसमें कंपनी पर केंद्रीय जीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग के अतिरिक्त आयुक्त द्वारा लगाया गया जुर्माना भी शामिल है।

कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह मांग सीजीएसटी अधिनियम, 2017 के

लागू प्रावधानों के तहत ट्रांजिशनल क्रेडिट और ट्रांस2 क्रेडिट के उल्लंघन से संबंधित है। वडोदरा-2 के सीजीएसटी एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग के अतिरिक्त आयुक्त ने 1.80 करोड़ रुपये की मांग नोटिस भेजा है और 18 लाख रुपये का जुर्माना अलग से लगाया गया है।

सिएट लिमिटेड ने कहा, कंपनी मामले का विश्लेषण करने और अपीलीय प्राधिकारी के पास अपील दायर करने के लिए उचित कार्रवाई कर रही है।

सीएट कंपनी के शेयरों में आज गिरावट देखी गई है। कंपनी के शेयर आज गिरावट के साथ 2,099 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। शेयर सुबह 2,117.30 रुपये के स्तर पर खुले थे। इसके बाद से शेयरों में गिरावट देखी गई है। कंपनी के शेयरों में पिछले 5 दिनों में 17 अंकों से ज्यादा की गिरावट आई है। बीते 6 महीनों की बात करें तो सीएट के शेयरों में करीब 8 फीसदी का उछाल आया है। इसके बाद से सीएट के शेयरों में लगातार कमजोरी देखने को मिल रही है।

नवंबर में भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में सुधार, उत्पादन में तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। नवंबर में भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के प्रदर्शन में सुधार देखा गया। अक्टूबर में मंदी के बाद, ग्राहकों की बढ़ती मांग और इनपुट की बेहतर उपलब्धता के कारण उत्पादन वृद्धि में तेजी आई, जिससे उत्पादन मात्रा में वृद्धि हुई। नवंबर में, भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने अक्टूबर की धीमी गति से वापसी की, एस एंड पी ग्लोबल पीएमआई 55.5 से बढ़कर 56.0 हो गया। यह बेहतर ऑपरेटिंग कंडीशन को दर्शाता है, हालांकि यह दूसरी तिमाही के औसत 57.9 से थोड़ा कम है। कुल मिलाकर, चीजें बेहतर दिख रही हैं।

यदि रीडिंग 50 से ज्यादा है, तो इसका मतलब ग्रोथ है, और यदि यह 50 से नीचे है, तो यह गिरावट का संकेत है। मुद्रास्फीति का दबाव शांत हो गया, और खरीद की लागत अगस्त 2020 के बाद से सबसे धीमी दर से बढ़ी। कंपनियों ने ज्यादातर अक्टूबर से अपनी फीस अपरिवर्तित रखी।

एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में इकोनॉमिक्स एसोसिएट डायरेक्टर पोलियाना डी लीमा ने कहा कि भारत का मैन्युफैक्चरिंग उद्योग नवंबर में मजबूत रहा। उत्पादन वृद्धि में तेजी आई और सेक्टर की सफलता घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए व्यवसाय हासिल करने वाली कंपनियों पर निर्भर रही। हालिया रिपोर्ट में दिखाया गया है कि कीमतें बढ़ रही हैं लेकिन पहले जितनी नहीं। यह 40 महीनों में सबसे कम वृद्धि है और ऐतिहासिक रूप से कोई बड़ी बात नहीं है। लीमा ने आगे कहा, इसलिए, भारत के मैन्युफैक्चरिंग के लिए चीजें अच्छी दिख रही हैं। ज्यादा ऑर्डर का मतलब है ज्यादा नौकरियाँ, और व्यवसाय अच्छा चल रहा है। 2024 के लिए भी परिदृश्य सकारात्मक लगता है। कीमतें थोड़ी बढ़ गईं क्योंकि चीजों को बनाने में ज्यादा लागत आ रही थी। मजबूत मांग, उच्च श्रम लागत और बेहतर सामग्री का उपयोग करने का हवाला देते हुए, केवल कुछ मैन्युफैक्चरर ने अपनी कीमतें लगभग 7 प्रतिशत बढ़ा दीं। भारतीय मैन्युफैक्चरर को नवंबर में ज्यादा नए ऑर्डर मिले और विकास दर पिछले साल अक्टूबर के निचले बिंदु से बेहतर रही।

कच्चे तेल के दाम 80 डॉलर प्रति बैरल के नीचे लुढ़के तो कम होंगी पेट्रोल-डीजल की कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। आने वाले दिनों में आम लोगों को महंगे पेट्रोल-डीजल के दामों से बड़ी राहत मिल सकती है। सरकारी तेल कंपनियों ने ये संकेत दिए हैं कि इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल के दाम 80 डॉलर प्रति बैरल के नीचे लुढ़का और कीमतें वहां स्थिर हो जाती हैं तो सरकारी तेल कंपनियां रोजाना आधार पर कीमतों में बदलाव करने की शुरुआत करेंगी। ऑयल इंडस्ट्री के अधिकारियों ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की मार्केटिंग कंपनियां रोजाना बेसिस पर तभी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संशोधन करना शुरू करेंगी, जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 80 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से नीचे स्थिर हो जाएंगी। तीनों खुदरा सरकारी तेल कंपनियां इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटे, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड ने पिछले 20 महीने से लगातार पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखा हुआ है।

आईसीआईसीआई बैंक ने रुपे क्रेडिट कार्ड के माध्यम से यूपीआई भुगतान की शुरुआत की

मुंबई एजेंसी। आईसीआईसीआई बैंक ने आज घोषणा की कि उसने अपने ग्राहकों के लिए भुगतान सुविधा को बढ़ाते हुए अपने रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई लेनदेन के साथ इंटीग्रेट कर दिया है। इस इंटीग्रेशन के साथ आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहक पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) लेनदेन को ऑनलाइन करने के लिए अपने रूपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक कर सकते हैं - जैसे खरीदारी, उपयोगिता बिलों का भुगतान - और ऑफ़लाइन - जैसे कि पीओएस (प्वाइंट ऑफ सेल) मशीन पर भुगतान। और यह सारा भुगतान अत्यंत सहज और सुरक्षित तरीके से किया जा सकता है। इसके अलावा, वे अपने खर्च पर रिवॉर्ड पॉइंट भी अर्जित कर सकते हैं, जिससे उनका डिजिटल भुगतान अनुभव और बेहतर हो जाएगा।

बैंक ने अपने रुपे क्रेडिट कार्ड पर यूपीआई लेनदेन को सक्षम करने के लिए नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के साथ सहयोग किया है। ग्राहक आईसीआईसीआई बैंक कोरल रुपे क्रेडिट कार्ड, आईसीआईसीआई बैंक एचपीसीएल सुपर सेवर रुपे क्रेडिट कार्ड और आईसीआईसीआई बैंक रूबिक्स रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक कर सकते हैं। वे व्यापारी के क्यूआर कोड को स्कैन कर सकते हैं और आईमोबाइल पे सहित किसी भी यूपीआई भुगतान ऐप का उपयोग करके अपने रुपे क्रेडिट कार्ड से भुगतान कर सकते हैं।

बिजिथ भास्कर, हेड-कार्ड्स, आईसीआईसीआई बैंक ने कहा, ''हमें अपने रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई के साथ जोड़ने के लिए एनपीसीआई के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह साझेदारी ग्राहकों को डिजिटल भुगतान पर पहले से बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए बैंक द्वारा उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। यूपीआई के साथ रुपे क्रेडिट कार्ड का एकीकरण ग्राहकों को 50 दिनों तक ब्याज मुक्त क्रेडिट देकर बेहतर लिक्विडिटी प्रदान करता है। हमारा मानना है कि यह सुविधा हमारे ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए सरल और सुविधाजनक समाधान पेश करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करेगी। इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए एनपीसीआई की चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सुश्री प्रवीणा राय ने कहा, ''हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि आईसीआईसीआई बैंक रुपे क्रेडिट कार्ड अब यूपीआई पर लाइव हैं। रुपे तेजी से एक आधुनिक, समकालीन और एक जीवंत ब्रांड के रूप में विकसित हुआ है, जिसे अत्याधुनिक तकनीक के लिए जाना जाता है। अत्याधुनिक तकनीक के कारण ही इसे इस्तेमाल करना बेहद सुरक्षित है और इसीलिए इसे व्यापक तौर पर स्वीकार किया जाता है। यूपीआई की विविधता को रुपे क्रेडिट कार्ड की विश्वसनीयता के साथ जोड़कर, हम डिजिटल भुगतान के परिदृश्य को एक नई पहचान देने की कोशिश कर रहे हैं। इस गेम-चेंजिंग इंटीग्रेशन के साथ, उपयोगकर्ताओं को डिजिटल भुगतान करने में और भी अधिक सुविधा होगी। आईसीआईसीआई बैंक के साथ हमारे सहयोग के माध्यम से, हमारा लक्ष्य रुपे क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को उन्नत डिजिटल भुगतान अनुभव के साथ सशक्त बनाना है और इस तरह भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देना है।''

आज आयेंगे सांसद नकुलनाथ

छिन्दवाड़ा। जिले के सांसद नकुलनाथ का अपने दो दिनी प्रवास पर छिन्दवाड़ा आगमन होने जा रहा है। दिनांक 2 एवं 3 दिसम्बर को नकुलनाथ जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में उपस्थित होंगे। सांसद कार्यालय द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार नकुलनाथ का दिनांक 2 दिसम्बर को अपरान्ह 4 बजे विशेष वायुयान द्वारा ईमलीखेड़ा हवाई पट्टी पर आगमन होगा, आगमन उपरांत वे पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। दिनांक 3 दिसम्बर को जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रम में उपस्थिती के उपरांत सांसद नकुलनाथ सांय 5 बजे छिन्दवाड़ा से प्रस्थान करेंगे।

मध्यम वर्षा की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (02 से 06 दिसम्बर 2023) घने से मध्यम बादल रहने एवं दिनांक 02.12.2023-03.12.2023 को गरज-चमक के साथ मध्यम वर्षा की संभावना है । अधिकतम तापमान 26-27 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 14-17 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है । अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 82-96 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 67-70 प्रतिशत रहने की संभावना है । आने वाले दिनों में हवा पूर्व एवं उत्तर-पूर्व दिशा में बहने एवं 07-12 कि. मी. प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है ।

भाजी तोड़ने गई वैवाहित महिला हुई लापता

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत ग्राम कोसमी निवासी महिला जयवंती पति जातीराम उईके पशुओं को चराने के बाद जंगल से वापस आया तो अपनी लड़कियों से पूछा मम्मी कहां है तो बेटियों ने बहताया कि दोपहर करीब 12ः00 बजे मम्मी भाजी तोड़ने गई तो वापस नहीं आई तब परिजनों ने जयवंती उम्र 30 वर्ष की तलाश ग्राम खमारा सकरवाडा भूमका आदि ग्रामों में पता किया परंतु जयवंजी का कहीं पता नहीं चला पता नहीं चलने पर थाने आकर रिपोर्ट करने पर थानेदार दीपा ठाकुर ने प्रकरण में गुम इंसान की कायमी कर जांच पता साजी में लिया।

जिले में अभी तक 1254.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा। जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 1254.3 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 1628 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में एक दिसंबर को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 12.4 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि एक दिसंबर को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान तहसील तामिया में 45, अमरवाड़ा में 5, चौरई में 4.8, हर्रई में 13.4, सौंसर में 9.3, परासिया में 22.1, जुन्नारदेव में 22.2, चांद में 7 और उमरेठ में 32.4 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि जिले में एक जून से अभी तक तहसील छिन्दवाड़ा में 1094.9, मोहखेड़ में 1119.6, तामिया में 1907, अमरवाड़ा में 1159.8, चौरई में 1057.1, हर्रई में 1339, सौंसर में 1240.2, पांडुर्णा में 987.1, बिछुआ में 897.2, परासिया में 1548.6, जुन्नारदेव में 1362.8, चांद में 1190.3 और उमरेठ में 1395.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

कलेक्टर कार्यालय में राष्ट्र-गान एवं राष्ट्र-गीत

छिन्दवाड़ा। प्रतिमाह माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर राष्ट्र-गान एवं राष्ट्र-गीत का गायन किया जाता है तथा इसी परिप्रेक्ष्य में आज माह के प्रथम कार्य दिवस पर राष्ट्र-गान एवं राष्ट्र-गीत गायन के बाद कार्यालयीन गतिविधियां प्रारंभ हुईं। कलेक्ट्रेट प्रांगण में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर के साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने शासकीय कला पथक दल के साथ राष्ट्र-गान %जन गण मन% एवं राष्ट्र-गीत,वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया।

5 दिसंबर को लगेगा निःशुल्क नेत्र शिविर

दमुआ। राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत लायंस सेवा समिति दमुआ व लायंस क्लब परासिया के तत्वाधान में दिनांक 5 दिसंबर दिन मंगलवार सुबह 11ः00 बजे से दोपहर 3ः00 तक बैरियर कॉलरी ऑफिस के सामने गरीब भोज परिषर दमुआ में निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया है, आधुनिक सुविधाओं से संपन्न लायंस नेत्र चिकित्सालय के नेत्र रोग विशेषज्ञो द्वारा मोतियाबिंद का कुशल ऑपरेशन कर लाभान्वित किया जाएगा निःशुल्क जांच शिविर में मरीजों को अपना आधार कार्ड, राशन कार्ड, परिचय पत्र की फोटो कॉपी और मोबाइल नंबर लाना अनिवार्य है।

विश्व एड्स दिवस पर मेडिकल कॉलेज छिंदवाड़ा में कार्यशाला

छिन्दवाड़ा। विश्व एड्स दिवस पर मेडिकल कॉलेज छिंदवाड़ा के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग में आज डॉ.किर्ती जोंगदण्ड के मार्गदर्शन में कार्यशाला सम्पन्न हुई । कार्यशाला में विभाग के डॉ.विकास द्विवेदी, डॉ.रितेष उपाध्याय, डॉ.दिलीप दंडोतिया, श्री देवकांत और इंटर्न 2020 के एमबीबीएस के विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियां दी ।

मतगणना के लिये व्दितीय और तृतीय रेण्डमाईजेशन का आयोजन

छिन्दवाड़ा। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत 2 दिसंबर 2023 को प्रातः 8 बजे से कलेक्ट्रेट छिंदवाड़ा के एनआईसी कक्ष में मतगणना के लिये मतगणना कर्मियों व माइक्रो ऑब्जर्वर का व्दितीय रेण्डमाईजेशन और 3 दिसंबर 2023 को प्रातः 5 बजे पी.जी.कॉलेज छिंदवाड़ा में मतगणना के लिये मतगणना कर्मियों व माइक्रो ऑब्जर्वर का तृतीय रेण्डमाईजेशन का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है ।

बच्चों में फैली बीमारी की सतर्कता जरूरी

जिला अस्पताल सहित निजी अस्पतालों में विशेष ध्यान रखने के निर्देश

छिंदवाड़ा। चीन में बच्चों में फैल रही बीमारी के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट मोड पर है। इन्फ्लूएंजा- निमोनिया से पीड़ित बच्चों की विशेष निगरानी की जाएगी। शासकीय अस्पतालों से लेकर निजी अस्पतालों में भी इस बात का विशेष ध्यान रखने को कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग के निर्देश के बाद नगर के अस्पतालों में उपलब्ध बेड, ऑक्सीजन प्लांट, आक्सीजन सिलेंडर का रिव्यू किया गया है। इसके साथ ही मास्क, सेनेटाइजर की उपलब्धता की स्थिति देखी गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संचालक ने अस्पतालों में नेंबुलाइजर मशीन , सहायक इक्विपमेंट, सांस रोग में उपयोग होने वाली दवाएं पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अगर यहां बीमारी फैलती है तो बच्चों को बचाव के लिए कोरोना के ही प्रोटोकॉल अपनाने की आवश्यकता है। ऐसी स्थिति में सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखें हाथों से आंख, कान, नाक को बार छूने से बचें बच्चों को सर्दी, खांसी, जुकाम होने पर डॉक्टर से संपर्क करें निमोनिया होने पर आइसोलेट करके रखें और दवाएं लें, मास्क पहने, डाक्टरों का कहना है कि किसी भी संशय पर डॉक्टर से जांच जरूर कराएं डाक्टर द्वारा बताई गई दवा को ही नियमित रूप से लें।

बच्चों में हो रहे ये लक्षण

चिकित्सकों के अनुसार चीन में बीमारी से पीड़ित हो रहे बच्चों में बुखार, डायरिया, उल्टी की समस्या हो रही है। ज्यादातर बच्चों को ठीक होने में तीन से पांच दिन का समय लग रहा है। हालाकि बच्चों को अलग से कोई समस्या नहीं हो रही है। सभी इन्फ्लूएंजा सर्दी, जुखाम, बुखार, फेफड़ों में जलन से संबंधित मामलों की मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए हैं इसका जिम्मा इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम आईडीएसपी की जिला सर्विलांस इकाईयों को सौंपा गया है। ऐसे बच्चों की न सिर्फ जांच कराई जाएगी। बल्कि उन्हें सर्विलांस पर भी रखा जाएगा। चिकित्सकों का कहना है कि चीन में बच्चों में फैल रहे इन्फ्लुएजा से डरने जैसी कोई स्थिति नहीं है। सर्दी, खांसी और बुखार के गंभीर रूप से पीड़ित बच्चों के सैंपल कराए जाएंगे। और इसका डेटा रखा जाएगा।

चौकीदार के हत्यारे पकड़ाए

पुरानी रंजिश को लेकर की हत्या

छिंदवाड़ा। बिछुआ थाना के स्टोन क्रेशर परिसर में हुई चोकीदार गोविंद डेहरिया की हत्या के मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने विवेचना में पाया कि मृतक गोविंद के बड़े भाई महेन्द्र डेहरिया का लड़ाक सोनू डेहरिया जिसका पूर्व में जमीन बंटवारा संबंधी विवाद था जो रंजिश रखे हुए थे। तथा मृतक गोविंद ने डेढ़ वर्ष पहले अर्जुन धुर्वेकी बहन जो दीगर समाज की है को भगाकर शादी किया है जिसका भाई अर्जुन धुर्वे जो बहन को भगाकर ले जाने की रंजिश रखे हुए थे। दोनेा गोविंद को मारने की सजिश रची और योजनाबद्व तरीके से डंडा से मारकर गला दबाकर हत्या कर दी। दोनो आरोपियों को पुलिस ने पकड़कर न्यायालय में पेश गया। सराहनीय भूमिका टीआई के.सी.पटले और स्टॉप का सहयोग रहा।

फांसी पर लटका मिला मोहब्बत का शव

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा थाना अंतर्गत ग्राम सालीवाडा शारदा निवासी ने अपनी बहन के चरण स्पर्श कर बोला मैं आज रहने वाला नहीं हूं तो बहन ने बोली तुझे क्या की दिक्कत है बता, और वह कुछ नहीं बोला और अपने घर के अंदर चला गया घर का दरवाजा बंद कर लिया बहन ने 11ः00 बजे अपने लड़के को अपने भाई के घर उसको खाना खाने के लिए भेजा तो लड़के ने तुरंत वापस आकर बताया मामा मोहब्बत उईके दरवाजा नहीं खोल रहा है तब भांजा ने दरवाजा की झिरी में से देखा तो उसकी मामा फांसी पर लटका है भांजा बहन और पड़ोसियों ने जाकर मोहब्बत (भाई) के घर जाकर अपने लड़के को उसके घर के जंगली से घर के भीतर पहुंच कर सामने का दरवाजा खुलवाया को देखा हर की छत में लगी लापतर की लकड़ी में चुन्नी से फांसी लगाकर मोहबत भाई लटका हुआ है बहन ने चुन्नी को हाशिया से काटकर पड़ोसियों की मदद से मोहब्बत के शव को नीचे उतरकर देखा तो मोहब्बत भाई खत्म हो गया है पड़ोसियों ने बताया है कि मोहब्बत उईके ने शराब पीकर दिवाली के पहले अपनी पत्नी से झगड़ा विवाद किया था जिससे नाराज होकर उसकी पत्नी अनुसुइया आपने चारों बच्चों के साथ मायके चली गई है उससे भी मोहब्बत भाई दुखी था मोहब्बत उईके पिता बलवान ग्राम सालीवाडा शारदा द्वारा फांसी पर लटके जाने की रिपोर्ट पर सहायक उप निरीक्षक राघवेंद्र उपाध्याय ने मर्ग को पोस्टमार्टम के लिए भेज प्रकरण विवेचना में लिया ।

कलेक्टर और एसपी ने स्ट्रॉन्ग रूमों की सुरक्षा व्यवस्था और सीसीटीवी मॉनिटरिंग कक्ष का निरीक्षण किया

छिन्दवाड़ा। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत 17 नवंबर को मतदान के बाद सभी विधानसभा क्षेत्रों की ईवीएम मशीनें शासकीय स्वशासी पी.जी.कॉलेज छिंदवाड़ा में विधानसभावार बनाए गए स्ट्रॉन्ग रूम में तीन लेयर की कड़ी सुरक्षा और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखी गई हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज पुष्प और पुलिस अधीक्षक श्री विनायक वर्मा द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार प्रतिदिन ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूमों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री पुष्प और पुलिस अधीक्षक वर्मा द्वारा आज शाम भी सीईओ जिला पंचायत एवं रिटर्निंग अधिकारी विधानसभा छिंदवाड़ा पार्थ जैसवाल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी के.सी.बोपचे, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर एवं पुलिस के अधिकारियों के साथ शासकीय स्वशासी पी.जी.कॉलेज छिंदवाड़ा पहुंचकर विधानसभावार स्ट्रॉन्ग रूमों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इसके बाद उन्होंने सीसीटीवी मॉनिटरिंग कक्ष का भी निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम छिंदवाड़ा सुधीर कुमार जैन, कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी आसिफ मंडल, अधीक्षण अभियंता एमपीईबी सहित सभी संबंधित नोडल अधिकारी एवं पुलिस के अधिकारी उपस्थित थे।

मतगणना संबंधी जानकारी प्रसारित करने और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिये अधिकारी नियुक्त

छिन्दवाड़ा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये आगामी 3 दिसम्बर 2023 को प्रातः 8 बजे से मतगणना स्थल शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा मतगणना का कार्य प्रारंभ होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज पुष्प द्वारा मतगणना के दौरान मतगणना से संबंधित आवश्यक जानकारी मतगणना स्थल पर तैयार मीडिया कक्ष में मीडियाकर्मियों के मध्य प्रसारित किये जाने और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिये उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास छिन्दवाडा श्री जितेन्द्र कुमार सिंह को प्रभारी अधिकारी एवं उप संचालक जिला जनसम्पर्क कार्यालय छिन्दवाडा श्रीमती नीलू सोनी को सहायक अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही प्रभारी अधिकारी से समन्वय कर इस कार्य को सुगमतापूर्वक संपादित किये जाने के लिये विधानसभावार 8 अधिकारियों और पुलिस के अधिकारियों की नियुक्ति भी की गई है। उन्होंने नियुक्त अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि प्रभारी अधिकारी और सहायक अधिकारी से समन्वय कर सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करें।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री पुष्प द्वारा मतगणना के दौरान मतगणना से संबंधित आवश्यक जानकारी मतगणना स्थल पर तैयार मीडिया कक्ष में मीडियाकर्मियों के मध्य प्रसारित किये जाने और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के कार्य को सुगमतापूर्वक संपादित किये जाने के लिये सहायक संचालक कृषि धीरज ठाकुर व सहायक जनसंपर्क अधिकारी नियुक्त किया गया है ।

3 दिसम्बर के स्थान पर 5 दिसंबर तक रहेगा कालीरात मेला

कालीरात मेले में आज होगा विशाल भंडारा

छिंदवाड़ा। कालीरात धाम पूर्णिमा के शुभ अवसर से आयोजित कालीरात मेला में शुक्रवार को जय भोले जागरण ग्रुप बीसापुर कलां द्वारा भव्य देवी जागरण आयोजित किया गया जिसमें सभी उपस्थिति धर्मप्रेमी बंधुओं ने इसका पुण्य लाभ प्राप्त किया। कालीरात प्रबंधकारिणी समिति के द्वारा आज हरि नाम सप्ताह संकीर्तन एवं विशाल भंडारा होगा, अब यह कालीरात का मेला 5 दिसंबर मंगलवार तक आयोजित होगा। श्री कालीरात धाम प्रबंधकारिणी समिति ने समस्त क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुगणों से आयोजित 5 दिसम्बर तक चलने वाले इस कालीरात मेले में सादर आमंत्रित होने का अनुरोध किया है एवं समिति द्वारा आयोजित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का पुण्य लाभ प्राप्त करने का अनुराध किया है । आज के कार्यक्रम में कालीरात धाम प्रबंधकारिणी समिति के संरक्षक रमेश पोफली, अध्यक्ष देवराव ठाकरे, विवेक पोफली, निरपत सिंह टेकले, रामा छिपने, ठगन पटेल,बसंत साखरे, विपिन कराड़े, वेद सिसोदिया, रूपेश कराड़े, विजेंद्र इवनती, जितेंद्र सूर्यवंशी, रेवा साहू, राजेश परते, विशाल पोफली, पंकज कराड़े राजेश बरपेटे, पुरुषोत्तम बरपेटे, लखन मोहने, दीपक सूर्यवशी, सुशील सूर्यवंशी, नवीन ठाकरे, मंगेश कपाले ,राजेश चौरे, अमन ठाकरे ,पवन काले, अरुण इंगले, आशीष सूर्यवंशी, राजू विश्वकर्मा, संजू नरवरे, विनोद जुनघरे, सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रमी बंधु तथा समस्त कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

मां के जन्म दिन पर पुत्र एवं पुत्र वधु ने किया रक्तदान

छिंदवाड़ा – जियो और जीने दो की पवित्र भावना के साथ सर्वोदय अहिंसा के सेवा भावी अहिंसा प्रेमियों ने एक दिसंबर 2023 को स्मृति शेष श्रीमती अनुभा सुनील जैन का जन्म दिवस जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा में रक्तदान कर मनाया। इस अवसर पर सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश संयोजक दीपक राज जैन के साथ श्रीमती अनुभा सुनील जैन के सुपुत्र सिद्धांत जैन एवं पुत्रवधु त्रिशाला जैन जिला चिकित्सालय पहुंचे और डायलेशेस सेंटर का भ्रमण कर इंचार्ज सिस्टर सहित जरूरत मंदों से चर्चा की ओर उनके लिए ब्लड बैंक में जाकर श्वेच्छिक रक्तदान किया और सर्वोदय अहिंसा के साथ मानवता का फर्ज निभाया कर सभी से रक्तदान करने की अपील की। समाज सेवी दीपक राज जैन का कहना है जिला चिकित्सालय में प्रतिदिन सिकलशैल, डायलेसेश, गायनिक एवं अन्य सेवाओं के साथ आकस्मिक दुर्घटना के घायल व्यक्तियों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है अतः हम सभी को अपना फर्ज निभाते हुए वर्ष में कम से कम दो बार रक्तदान कर उनकी मदद करना चाहिए।

चुनाव में दो फाड़ में बटी रही भाजपा

परासिया। भारतीय जनता पार्टी को लेकर अक्सर यह कहा जाता है कि पार्टी में काफी अनुशासन रहता है पार्टी में जब कभी अनुशासनहीनता होती है तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी मामले को सुलझाता है,शायद इसलिए पार्टी के कार्यकर्ता, वरिष्ठ पदाधिकारीयो के निर्देशों का पालन करते हैं और पार्टी में बगावत की स्थिति नहीं होती । लेकिन इस बार की परासिया विधानसभा चुनाव में पहली बार यह देखने को मिला कि पार्टी पूरे चुनाव तक दो फाड़ में बटी रही । उम्मीदवार को लेकर एक बड़ा गुट जो नाराज हुआ, तो पूरे चुनाव भर उस गुट के लोगों ने भाजपा का काम ही नहीं किया । बल्कि आरोप यह है कि नाराज गुट ने भाजपा प्रत्याशी को चुनाव हराने की पूरी कोशिश की। जिसके कारण भाजपा उम्मीदवार की स्थिति कमजोर हो गई। लेकिन दुर्भाग्य की बात यह रही कि इस महिला उम्मीदवार को चुनाव में पार्टी के सभी लोगों का जो सहयोग मिलना था वह नहीं मिला इतना ही नहीं, बल्कि पार्टी के वरिष्ठ नेता ने पार्टी छोडकर निर्दलीय चुनाव लड़ा । जिससे भी ज्योति डेहरिया को नुकसान पहुंचा । राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार सामान विचारधारा के संगठनों का भी भाजपा उम्मीदवार को आपेक्षित सहयोग नहीं मिला एवं विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा कार्यालय मे जिनके हाथो मे चुनाव प्रबंधन की कमान थी उनके अहंकारी स्वभाव एवं मनमानी के कारण आपस में चुनाव के पूर्व वर्चस्व की लड़ाई के कारण एका नहीं रहा ।

वेब सीरीज के ऑडिशन के में लगभग 300 कलाकारों ने हिस्सा लिया

छिंदवाड़ा। श्रेयौन फिल्म स्टूडियो छिन्दवाड़ा के बेनर तले बन रही वेब सीरीज के ऑडिशन 30 नवंबर को श्रेयौन ऑडियो, वीडियो, फिल्म स्टूडियो, परारिया रोड़, छिन्दवाड़ा में सम्पन्न हुआ, श्रेयौन फिल्म स्टूडियो एवं वेब सीरीज़ के प्रोडूसर संजय भारद्वाज जी ने बताया कि ऑडिशन में लगभग 300 कलाकारों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, अपना ऑडिशन दिया । जिसमें मराठी फिल्म के मशहूर अभिनेता, कास्टिंग डायरेक्टर हरीश गवाई, फिल्म डायरेक्टर, एक्टर सागर भारद्वाज एवं वेब सीरीज़ के स्क्रिप्ट राइटर मनोहर मसतकर ने ऑडिशन में निर्णायक की भूमिका निभाई । ऑडिशन के मुख्य अथिति किन्नर समाज की प्रसिद्ध गायिका रानू किन्नर जी एवं सम्माननीय साथी किन्नर, जन सेवा हिताय की समाज सेवी समाज सेवी हर्षा बानोदे जी, अमित राय जी एवं सभी उपस्थित सम्मानीय जनों ने दीप प्रज्वलन करके ऑडिशन की शुरुआत की इस अवसर पर सिंगर बादल भारद्वाज, डीओपी अजय गुप्ता, मनीष ताम्रकार, अभिजीत परमार, राहुल चौहान, हबीब मंशूरी, खुशी सोनी, मोहित धुर्वे, अंकुश सोनी, हिमांशु साहू, अभय मालवीय, तरुण शर्मा, तरुण तिवारी, एवं अन्य अथिति उपस्थित रहे ।

कांग्रेस कार्यकर्ता मतगणना स्थल पर सुबह पहुंचे

वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने दिये आवश्यक दिशा निर्देश

छिन्दवाड़ा। कांग्रेस की जीत सुनिश्चित है और आगामी सप्ताह में कमलनाथ की सरकार बनने जा रही है। देश का हृदय प्रदेश-मध्यप्रदेश एक बार फिर से खुशहाल होगा और सभी वर्ग के प्रगति और उन्नति के रास्ते खुलेंगे। आगामी 3 दिसम्बर को होने वाली मतगणना में हमें हमारी संस्कृति व कांग्रेस की रीति-नीति के अनुरूप सम्पूर्ण मतगणना के दौरान निर्भिक रूप से उपस्थित रहकर अपनी जीत का परचम लहराना है। उक्त उदगार आज स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे ने व्यक्त करते हुये कहा कि जनता ने कांग्रेस को अपना प्यार और आशीर्वाद दिया है जिसका परिणाम 3 दिसम्बर को सामने आयेगा और जिले की सातों विधानसभा सीट पर कांग्रेस की प्रचंड वियज होगी और इस जीत में कांग्रेस के प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है जिस जोश और उत्साह के साथ सभी ने मिलकर विधानसभा चुनाव में कार्य किया है, वही जोश और उत्साह 3 दिसम्बर को भी मतगणना स्थल पर नजर आना चाहिये। उन्होंने अपने उदबोधन में उपस्थित मतगणना अभिकर्ताओं को अश्वस्त करते हुये कहा कि प्रदेश में पुनः कमलनाथ की सरकार बनने जा रही है, केवल आप सभी को मतगणना स्थल पर पूरी निष्ठा और सजगता के साथ सौंपी गई जिम्मेदारियों का वहन करना है। छिन्दवाड़ा विधानसभा के कांग्रेस के मतगणना अभिकर्ताओं को मतगणना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुये जिला कांग्रेस के सलाहकार अधिवक्ता राजकुमार मिश्रा ने कहा कि सभी दिनांक 3 दिसम्बर को प्रातः 6.30 बजे पी.जी कॉलेज मतगणना स्थल पहुंचे साथ ही उन्होंने मार्ग की जानकारी, साथ लेकर जाने वाली सामग्री से अवगत कराया साथ ही ईवीएम मशीन व बैलेट पेपर की मतगणना के दौरान ध्यान रखी जाने वाले आवश्यक बिन्दुओं से अवगत कराते हुये कहा कि प्रत्येक राउंड की गणना को नोट करना होगा साथ ही अपने टेबिल को छोड़कर नहीं जाने के निर्देश भी उनके द्वारा दिये हैं।

110 बंदियों की स्वास्थ्य एवं एचआईवी, सिफ़िलिस, हेपेटाइटिस-बी की जाँच निःशुल्क की

विश्व एड्स दिवस पर एड्स उन्मुखीकरण कार्यशाला

छिंदवाड़ा। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में ज़िला स्तरीय एड्स उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन ज़िला जेल छिन्दवाड़ा में किया गया, जिसमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.जी.सी.चौरसिया की अध्यक्षता में कार्यशाला में उपस्थित समस्त बंदी एवं जेल स्टाफ को एचआईवी, एड्स से बचाव व उपचार के बारे में जानकारी प्रदाय की गई ,साथ ही साथ 110 बंदियों की स्वास्थ्य एवं एचआईवी, सिफ़िलिस, हेपेटाइटिस-बी की जाँच निःशुल्क की गई, कार्यक्रम में जिला जेल से जेलर ज्ञानांशु भारती, जिला नोडल अधिकारी डॉ. अर्चना कैथवास,डॉ. रंजना तांडेकर, मीडिया अधिकारी डॉ. प्रमोद वासनिक, डॉ राघवेंद्र बघेल, विधिक सेवा अधिकारी श्री विजय खोवागड़े, डॉ. केशव झारिया, डॉ. राहुल नाग, अंकित विश्वकर्मा, रोहित साहू, श्रीमति सोमा सिंह, श्रीमती गीता धुर्वे, अमोद ठाकरे, नरेन्द्र सोनी, नीरज वर्मा आदि स्टाफ उपस्थित रहे ।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं विधिक साक्षरता एवं जागरूकता

अमरवाड़ा। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छिन्दवाड़ा की सचिव श्रीमति सविता ओगले के मार्गदर्शन में एवं श्रीमान राकेश कुमार सोनी, जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति अमरवाड़ा के निर्देशन में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन उपजेल अमरवाड़ा में किया गया। कार्यक्रम में श्रीमान राकेश कुमार सोनी द्वारा वी.सी. के माध्यम से बंदियों को विभिन्न विधिक जानकारी दी गई एवं उनकी समस्याओं के संबंध पूछा गया। कार्यक्रम में डॉ करूष ठाकुर द्वारा बंदियो को जानकारी दी कि बचाव ही सुरक्षा है, स्वास्थ्य विभाग अमरवाड़ा के शासकीय काउंसलर रविकांत बागड़े द्वारा एच.आई.वी. एड्स के संबंध में उपिस्थत समस्त बंदियों को एड्स के संबंध में विस्तार से बताया गया।

OUR PREDICTION CAME TRUE
WHISPERSINTHECORRIDORS.COM
Lt Gen Manjinder Singh takes over as head ARTRAC on Dec 1
(WE SAID THIS ON NOVEMBER 9, 2023)
Lt General Manjinder Singh likely to posted at ARTRAC
Lt General Minjinder Singh's name is doing the rounds for the post of Director, ARTRAC, Shimla.

जीतू पटवारी का बड़ा दावा, कांग्रेस की 132 से 137 सीटें आ रही हैं

भोपाल। मध्य प्रदेश सहित पांचों राज्यों के चुनावी नतीजे 3 दिसंबर को आने हैं। कल साफ हो जाएगा कि किस राज्य में किसकी सरकार बनने जा रही है। वहीं बात की जाएं मप्र की तो एग्जिट पोल के आंकड़ों से बीजेपी मध्य प्रदेश को लेकर काफी उत्साहित है और इसी के साथ राज्य में सरकार बनाने और मुख्यमंत्री बनने को लेकर हलचल भी तेज हो गई है।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव की तीन दिसंबर को मतगणना से पहले सभी राजनीति दल अपनी-अपनी सरकार बनने का दावा कर रहे है। अब पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि एमपी में बीजेपी शिवराज जी जाने वाले हैं और कांग्रेस आने वाली है। मेरा बयान संभाल के रखना। प्रदेश में कांग्रेस की 132 से 137 सीटें आ रही हैं। निश्चित रुप से हमारी सरकार बनेगी। मध्य प्रदेश के साथ ही छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में भी कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है।

शिवपुरी में बस पलटी, 10 यात्री घायल, तीन की हालत गंभीर

शिवपुरी। शिवपुरी में एक बस पलट गई। 10 यात्री घायल हुए हैं, इनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी को शिवपुरी के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। बस अहमदाबाद से भिंड जा रही थी। बताया जा रहा है कि बस तेज रफ्तार में थी, इसी दौरान टायर फट गया, जिससे बस अनियंत्रित होकर पलट गई। सुभाषपुरा थाना प्रभारी कुसुम गोयल ने बताया कि बस में करीब 40 लोग सवार थे। सभी को बस से बाहर निकाल लिया है।

बिलासपुर-बीकानेर एक्सप्रेस सहित 6 ट्रेनें निरस्तः नागपुर मंडल में होना है रेलवे मेंटेनेंस कार्य

भोपाल। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल में राजनादगांव-कालमना स्टेशन के मध्य रेल लाइन तिहरीकरण कार्य किया जाना है। इस अवधि में इस रूट से होकर गुजरने वाली कुछ गाड़ियों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों ने बताया कि इस यात्री किसी भी प्रकार की असुविधा के चलते रेलवे हेल्प लाइन नंबर 139 पर संपर्क कर सकते हैं।

20843 बिलासपुर-भगत की कोठी एक्सप्रेस 4, 5, 11 एवं 12 दिसंबर को तथा 20844 भगत की कोठी-बिलासपुर एक्सप्रेस 7, 9, 14 एवं 16 दिसंबर को निरस्त रहेगी।

20845 बिलासपुर-बीकानेर एक्सप्रेस 7 एवं 9 दिसंबर को तथा 20846 बीकानेर-बिलासपुर एक्सप्रेस 10 एवं 12 दिसंबर को निरस्त रहेगी।

20823 पुरी-अजमेर एक्सप्रेस 4, 7 एवं 11 दिसंबर को तथा 20824 अजमेर-पुरी एक्सप्रेस 7, 12 एवं 14 दिसंबर को निरस्त रहेगी।

भोपाल। गैस कांड की बरसी के उपलक्ष्य में गैस पीड़ित मोर्चा ने पुतला दहन किया।

मणिपाल हॉस्पिटल्स दिल्ली ने भोपाल में लिवर रोग से पीड़ित मरीज के लिए एक विशेष ओपीडी शुरू किया

भोपाल। दिल्ली स्थित मशहूर एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल्स ने आज मेडिलिव लीवर भोपाल के साथ मिलकर अपने विशेष लिवर ओपीडी की शुरुआत की। इस नए ओपीडी का उद्देश्य क्रोनिक लिवर रोगों से पीड़ित मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श के साथ विश्वस्तरय उपचार प्रदान करना है। लिवर ओपीडी के बारे में बताते हुए डॉ. शैलेंद्र ललवानी, एचओडी और कंसल्टेंट लिवर

ट्रांसप्लांटेशन एवं हेपेटो-पैंक्रिअटिक बाईलरी सर्जरी, एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल्स, दिल्ली ने कहा, पिछले कुछ सालों में लिवर सम्बन्धी रोगों में काफी वृद्धि हुई है, जिनमें से कुछ जानलेवा भी रहे हैं। लिवर के रोग, जैसे लीवर सिरोसिस, फैटी लिवर रोग, हेपेटाइटिस, और लिवर ट्यूमर युवाओं में भी तेजी से बढ़ने लगे हैं। लिवर उपचार में प्रगति के साथ, लोगों के लिए यह जानना आवश्यक है कि लिवर सिरोसिस के उपचार के लिए लिवर प्रत्यारोपण की उच्च सफलता दर है। चिकित्सा प्रौद्योगिकी और चिकित्सा प्रक्रियाओं में प्रगति के साथ, लिवर प्रत्यारोपण एक जीवन रक्षक बन गया है जो अंतिम चरण के रोगों से पीड़ित लोगों के लिए जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार कर सकता है। एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल्स, दिल्ली पूरे देश के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और आधुनिक मेडिकल इलाज प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। भोपाल में यह स्पेशलाईज़्ड लिवर ओपीडी हॉस्पिटल की इस प्रतिबद्धता को पूरा करने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। लिवर रोग स्वास्थ्य एक गंभीर बीमारी है, और इसका समय पर निदान एवं इलाज न होने पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इलाज में विलंब करने से बीमारी बढ़कर गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए बीमारी के गंभीर बनने के खतरे को कम करने के लिए नियमित तौर से जाँच कराया जाना जरूरी है।

इंदौर, धार, बड़वानी में सुबह बारिश, आज 23 जिलों में अलर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश के कई शहरों में शनिवार सुबह घना कोहरा रहा। भोपाल में 10 बजे के बाद भी धुंध छाई हुई है। इंदौर, धार और बड़वानी जिले के सेंधवा में हल्की बारिश हुई। जबलपुर में बादल छाए हुए हैं। उज्जैन में भी लगातार चार दिन से धूप नहीं निकली है। ग्वालियर में मौसम साफ है। खंडवा शहर में 9 बजे से पहले कोहरे के कारण विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम रही।

मप्र में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। चक्रवाती हवा और ट्रफ लाइन भी गुजर रही है। इस वजह से छह दिन से बारिश हो रही है। शुक्रवार को भोपाल, जबलपुर समेत 14 जिलों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बारिश का दौर शनिवार को भी जारी रहेगा। भोपाल, इंदौर समेत प्रदेश के 23 जिलों में बारिश का अलर्ट है। बाकी जिलों में बादल छाए रहेंगे।

मौसम केंद्र के अनुसार बताया कि 8-9 दिसंबर तक प्रदेश में बादल-हल्की बारिश होगी। दूसरे पखवाड़े की शुरुआत के साथ ठंड का असर भी बढ़ जाएगा। दिसंबर में ग्वालियर, चंबल और पचमढ़ी ज्यादा ठंडे रहेंगे। भोपाल, इंदौर, जबलपुर-उज्जैन समेत प्रदेश में भी रात के टेम्प्रेचर में भी गिरावट होगी।

आज यहां बारिश के आसार

इंदौर, जबलपुर, उज्जैन, धार, बड़वानी, खरगोन, देवास, खंडवा, सीहोर, रायसेन, सागर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, कटनी, पन्ना, सतना, उमरिया, रीवा, सीधी, सिंगरौली और शहडोल में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। मंदसौर, रतलाम, बुरहानपुर, शाजापुर, आगर-मालवा, हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम, गुना, विदिशा, सिवनी और अनूपपुर में भी मौसम बदला रहेगा। प्रदेश के अन्य हिस्सों में बादल छाए रहेंगे।

शुक्रवार की रात खजुराहो में पचमढ़ी से ठंडी रही। खजुराहो में 12 डिग्री, जबकि पचमढ़ी में 13.4 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ। सीधी में सबसे ज्यादा न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री रहा।

पचमढ़ी में सबसे ज्यादा बारिश, ठंडा भी यही रहा

शुक्रवार को पचमढ़ी में सबसे ज्यादा आधा इंच से ज्यादा बारिश हुई। दिन में सबसे ठंडा भी पचमढ़ी ही रहा। यहां दिन का टेम्प्रेचर 20.8 डिग्री तक पहुंच गया। भोपाल, जबलपुर, नरसिंहपुर, उमरिया, दमोह, सतना, सीधी, बैतूल, छिंदवाड़ा, उज्जैन, नर्मदापुरम, मंडला, सागर और गुना में भी कहीं तेज तो कहीं बूंदाबांदी हुई। राजगढ़ में भी तेज बारिश हुई।

भोपाल में 25.7 डिग्री रहा पारा

शुक्रवार को दिन में भोपाल में 25.7 डिग्री, ग्वालियर में 25.4 डिग्री, इंदौर में 27.9 डिग्री और जबलपुर में पारा 24.5 डिग्री दर्ज किया गया। बैतूल में पारा 21 डिग्री, खजुराहो-गुना में 21.4 डिग्री, सतना में 21.8 डिग्री दर्ज किया गया।

भोपाल न्यूमार्केट स्थित खेडापति हनुमान में अक्षत् कलश पूजन एवं वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मतदान से वंचित कर्मचारी दायर करेंगे हाई कोर्ट में याचिका

भोपाल। विधानसभा चुनाव 2023 के निर्वाचन में चुनाव ड्यूटी के कारण मतदान नहीं कर पाए कर्मचारी अब हाई कोर्ट में याचिका दायर करके मतदान कराने की मांग करेंगे याचिका में प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन प्रमुख सचिव संसदीय कार्य प्रमुख सचिव विधि विभाग को पार्टी बनाया जाएगा यह निर्णय मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के नेतृत्व में हुई बैठक में मतदान से वंचित कर्मचारियों ने लिया है।

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि विधानसभा चुनाव 2023 में चुनाव ड्यूटी लगने के कारण प्रदेश के हजारों कर्मचारी मतदान नहीं कर पाए हैं मतदान से वंचित कर्मचारियों में ज्यादातर अथीत शिक्षक सुरक्षा कर्मचारी तृतीय श्रेणी कर्मचारी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी है आकस्मिक चुनाव ड्यूटी लगने के कारण कर्मचारियों को पोस्ट वॉलेट मतदान करने का अधिकार भी नहीं दिया गया था मतदान से वंचित कर्मचारियों ने कर्मचारी मंच के नेतृत्व में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से ज्ञापन पत्र के माध्यम से निवेदन भी किया है कि मतगणना की 3 तारीख से पहले चुनाव ड्यूटी में लगे मतदान से वंचित कर्मचारीयों को मध्य प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक विशेष मतदान केंद्र बनाकर मतदान कराया जाए लेकिन निर्वाचन कार्यालय ने अभी तक मतदान से वंचित चुनाव में ड्यूटी लगे कर्मचारियों के ज्ञापन पत्र पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं करी है जब निर्वाचन कार्यालय मतदान केंद्र में गड़बड़ी होने के कारण पुनः मतदान कर सकता है तो मतदान से वंचित चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को मतदान कराने का निर्णय निर्वाचन कार्यालय किस कारण से नहीं ले रहा है लोकतंत्र में मत बहुमूल्य है और मतदाता को मतदान करने से वंचित नहीं किया जा सकता है मतदान करने से कर्मचारियों को अधिकारियों द्वारा चुनाव ड्यूटी लगाकर एवं पोस्टल बैलट की व्यवस्था न करके जानबूझकर वंचित किया गया है इसलिए मतदान से वंचित चुनाव में ड्यूटी लगे कर्मचारियों ने अब न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का निर्णय लिया है।

मध्यप्रदेश में जिलों में स्वीप प्लान असफल होने के हालात, मतदान केंद्रों में तैनात सभी कर्मचारी नहीं डाल पाए वोट

भोपाल। विधानसभा चुनाव के लिए 17 नवम्बर को कराई गई वोटिंग के बाद अब यह साफ हो गया है कि प्रदेश के तीन लाख 25 हजार 820 कर्मचारियों और अधिकारियों ने वोट डाले हैं। इस चुनाव में चार लाख 52 हजार से अधिक कर्मचारियों की ड्यूटी मतदान केंद्रों पर लगी है जबकि हजारों कर्मचारी रिजर्व ड्यूटी में भी मतदान दिवस के दिन जिला मुख्यालयों में मौजूद रहे हैं। प्रदेश में कर्मचारियों की वोटिंग को लेकर सामने आई स्थिति के बाद अब यह सवाल उठाए जा रहे हैं कि अफसरों की लापरवाही के चलते हर मतदान में ड्यूटी कर रहे कम से कम दो कर्मचारियों ने चुनाव के दौरान मतदान नहीं किया है।

रिटर्निंग अधिकारियों के अनुसार हर सामान्य मतदान केंद्र में एक पीठासीन अधिकारी और तीन मतदान अधिकारी समेत चार कर्मचारी तैनात होते हैं। इसके अलावा एक पुलिसकर्मी, एक विशेष पुलिस अधिकारी, एक माइक्रो आब्जर्वर समेत कम से कम सात कर्मचारी मतदान केंद्र में मौजूद रहते हैं। इसके अलावा जिन मतदान केंद्रों को संवेदनशील और अतिसंवेदनशील माना गया है वहां आठ से दस कर्मचारी व सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाते हैं। इसके विपरीत चुनाव के दौरान हुई कर्मचारियों की वोटिंग की जो रिपोर्ट मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय को पहुंची है, उसमें मतदान करने वाले कुल कर्मचारियों की संख्या 3 लाख 25 हजार 820 है।

यह है कर्मचारियों की वोटिंग का आंकड़ा- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया है कि सभी 52 जिलों में हुई कर्मचारियों की वोटिंग में तीन लाख चार हजार 623 कर्मचारियों ने फैसिलिटेशन सेंटर में वोट डाले हैं तो 21197 कर्मचारियों ने ईडीसी (इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिकेट) के माध्यम से वोटिंग की है। यह आंकड़ा अस्सी साल से अधिक उम्र के वोटर्स और दिव्यांग वोटर्स द्वारा घर पर की गई वोटिंग के आंकड़ों से अलग है।

ऐसे समझें हर मतदान केंद्र में दो कर्मचारियों के वोट घटने का गणित- चुनाव अफसरों के अनुसार हर मतदान केंद्र में औसत सात कर्मचारियों की उपस्थिति को भी मान्य

किया जाए तो प्रदेश भर में कुल 64626 मतदान केंद्रों में पड़े वोट का कुल आंकड़ा 3 लाख 25 हजार 820 होता है। इसका सीधा मतलब है कि इतने कर्मचारियों ने 64626 मतदान केंद्रों में ड्यूटी की। ऐसे में इन कर्मचारियों की संख्या से मतदान केंद्रों की संख्या का डिवीजन करने (325820 में 64626 का भाग करने पर) मतदान करने वाले कर्मचारियों की संख्या पांच आती है। इस तरह साफ है कि हर मतदान केंद्र में मौजूद कम से कम सात में से पांच ने ही वोट डाले हैं और दो कर्मचारियों ने वोट नहीं डाला है।

स्वीप प्लान पर सवाल- कर्मचारियों के वोट नहीं डलवा पाने के मामले में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए गए स्वीप प्लान के फेल्योर की स्थिति भी बनी है। चुनाव आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को स्वीप प्लान के जरिये एक भी वोट मिस नहीं करने के लिए अभियान चलाने को कहा था। इसके लिए प्रदेश भर में करोड़ों रुपए जिलों में खर्च भी किए गए लेकिन कर्मचारियों की वोटिंग के मामले में यह प्लान फेल हो गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ऐसे कर्मचारियों की वोटिंग के लिए ईडीसी जारी कराने और फैसिलिटेशन सेंटर में वोट डलवा पाने में नाकाम रहे हैं।

कांग्रेस लगाती रही है आरोप- इस पूरे चुनाव में कांग्रेस मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को बार-बार पत्र लिखकर कर्मचारियों के वोट नहीं डलवाने का आरोप लगाती रही है। कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष और चुनाव कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने कर्मचारियों के वोट डलवाने को लेकर आधा दर्जन से अधिक शिकायतें मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में की हैं। इसमें उन्होंने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि सरकार के इशारे पर जिलों में कलेक्टर्स ने कर्मचारियों के वोट नहीं डलवाए हैं। कांग्रेस ने यहां तक आरोप लगाए हैं कि अचानक विशेष पुलिस अधिकारी बनाए गए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, अतिथि विद्वानों को वोट डालने से जिलों में वंचित रखा गया।

राजनीतिक दबाव में शुरू की इंदौर-भोपाल वंदे भारतः सुधांशु मणि

इंदौर। इंदौर में आयोजित कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज के कॉन्क्लेव में शामिल होने आए वंदे भारत ट्रेन के जनक सुधांशु मणि का कहना है कि इंदौर-भोपाल और भोपाल-जबलपुर रुट में चल रही वंदे भारत ट्रेनों में यात्रा के दौरान पब्लिक को वह वैल्यू सर्विस नहीं मिल रही है, जो अन्य स्थानों पर मिल रही है। उन्होंने कहा कुछ रुट पर पर राजनीतिक दबाव के चलते यह ट्रेन लाई गई जो कि सही फैसला नहीं है। इंदौर-भोपाल रुट भी ऐसा ही है। इंदौर-भोपाल के बीच वंदे भारत ट्रेन चलाने का निर्णय कई मायनों में गलत था।

उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन को एयरपोर्ट या मॉल की तरह बड़ा और आकर्षक बनाना व्यावसायिक दृष्टिकोण से ठीक है लेकिन यात्री सुविधाओं पर ज्यादा ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इंदौर से भोपाल और भोपाल से जबलपुर तक चलाई गई वंदे भारत ट्रेन यात्रियों की कमी से लगातार जूझ रही है। देश भर में चलाई गई 35 से ज्यादा वंदे भारत ट्रेनों में से पांच रूट पर चलने वाली ट्रेनों के यही हाल हैं। बाकी 30 में से भी 20 रूट पर वंदे भारत को अच्छी संख्या में यात्री मिल रहे है। जबकि 10 ट्रेनों में किराए के चलते सवारियों की संख्या में कोई इजाफा नहीं हो पाया है। अभी सबसे ज्यादा ऑक्युपेंसी दिल्ली, बनारस व केरल में है।

दिल्ली-भोपाल में भी यात्रियों की संख्या संतोषजनक है। वहीं केरल में दो वंदे भारत ट्रेनों का संचालन हो रहा है वहां यात्रियों कि संख्या लगभग 170 से 180त्न के करीब हैं। अगले साल तक स्लीपर वंदे भारत का भी संचालन शुरू होने की संभावना है जो राजधानी को रिप्लेस करेगी। इससे आसानी से समय की बचत हो सकेगी। नई ट्रेनों में राजधानी से बेहतर सुविधाएं देने का प्रयास रहेगा।

उन्होंने कहा कि मप्र में वंदे भारत ट्रेन को यात्रियों का बेहतर रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। यहां वंदे भारत ट्रेन में 70 प्रतिशत सीटें अभी भी खाली जा रही हैं। यदि बस से इंदौर से भोपाल तक का सफर ट्रेन के मुकाबले आधे से भी कम किराए और लगभग उतने ही समय में पूरा हो रहा है, तो लोग बस को छोड़कर महंगी ट्रेन में क्यों जाएंगे। ऐसे में ट्रेन के समय और किराए का सही और बेहतर आंकलन होना चाहिए, तभी यात्रियों की संख्या बढ़ेगी।

वैल्यू नहीं मिलने पर लोग सिर्फ शौक के लिए करते है सफर- उन्होंने कहा कि इसके पीछे सबसे बड़ा कारण पब्लिक को वैल्यू सर्विस नहीं मिलना है। पब्लिक को अभी यात्रा के दौरान पहले के जैसे बस में सफर के बराबर का समय लग रहा है और वैसी सुविधाएं भी नहीं मिल रही जो पहले से अलग हो, जैसा बाकी जगहों पर चल रही वंदे भारत ट्रेन के यात्रियों को मिल रही है। यहां इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे ट्रेन की स्पीड कम होने से आप यात्रा का समय कम नहीं कर पा रहे हैं। वे कहते हैं कि यहां बस के मुकाबले लगभग उतना ही समय लग रहा है। एयर कंडीशन बस का किराया बहुत कम है। ऐसे में एक-दो बार लोग शौक से जा सकते हैं, लेकिन लम्बे समय के लिए ट्रेवलर यह सोचता है कि इतना ज्यादा किराए के बाद भी मुझे क्या वैल्यू मिलती है। मप्र में जो मेन लाइन है और जहां दो स्टेशन के बीच में पैसेंजर की संख्या ज्यादा दिखती है, वहां यात्रा का समय पहले कि तुलना में कम किया जा सकता है। वहां करीब 130 किमी का ट्रैक है और ट्रेन का एक्सलरेशन बहुत अच्छा है। अब वहां यात्रियों की संख्या बढ़ेगी या नहीं यह कहा नहीं जा सकता।